बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुख्य संवाददाता : इन्द्रजीत सिंह मो. 9582093548

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 20 ● अंक: 31 ● नई दिल्ली ● मंगलवार 07 सितम्बर 2021 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष

मो. 08750202102

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

कोविड-19: देश में 167 दिन बाद संक्रमण से मौत के सबसे कम मामले

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 38,948 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 3,30,27,621 हो गई। वहीं, 219 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,40,752 हो गई। पिछले 167 दिन में सामने आए संक्रमण से मौत के ये सबसे कम मामले हैं और 48 दिन बाद कोविड-19 मृत्यु दर भी घटकर 1.33 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, देश में 23 मार्च को एक दिन में कोविड-19 से 199 लोगों की मौत हुई थी। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 4,04,874 हो गई है, जो कुल मामलों का 1.23 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कुल 5,174 कमी आई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.44 प्रतिशत है।

राहुल गांधी की ताजपोशी की मांग

युवा कांग्रेस ने पास किया प्रस्ताव, कहा- कांग्रेस नेता को फिर से सौंपी जाए पार्टी की कमान

लंबे समय से कांग्रेस पार्टी में अध्यक्ष पद के लिए असमंजस की स्थिति बनी हुई है। राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से सोनिया गांधी पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष बनकर यह जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पास किए गए प्रस्ताव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी फिर से पार्टी का अध्यक्ष बनाने की मांग की गई है.

नई दिल्ली । भारतीय युवा कांग्रेस ने सोमवार को एक अहम प्रस्ताव पास किया है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पास किए गए प्रस्ताव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी फिर से पार्टी का अध्यक्ष बनाने की मांग की गई है। युवा कांग्रेस की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक रविवार को गोवा के पणजी में शुरू हुई थी। इसमें देशभर से युवा कांग्रेस के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी और प्रदेश अध्यक्ष ने भाग लिया।

सूत्रों के मुताबिक, युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों की ओर से युवा बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की समस्याओं के मुद्दे पर देशव्यापी आंदोलन शुरू करने का सुझाव दिया गया।

जनता के मुद्दे उठाने वाले राहुल एकमात्र नेता : श्रीनिवास

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा कि राहुल गांधी जी को फिर से कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना चाहिए, इसके लिए बैठक में सर्वसम्मति से इसका प्रस्ताव पारित किया गया। वह इकलौते ऐसे नेता हैं, जो जनता के मुद्दे पुरजोर ढंग से उठा रहे हैं। इस दौरान देश और युवाओं से जुड़े कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा कि युवा कांग्रेस का हर एक कार्यकर्ता आने वाले दिनों में इस तानाशाह सरकार के खिलाफ संघर्ष करेगा और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और राहुल का संदेश जन-जन तक पहुंचाएगा।

2019 में राहुल ने छोड़ा था अध्यक्ष पद

बता दें कि लंबे समय से कांग्रेस पार्टी में अध्यक्ष पद के लिए असमंजस की स्थिति बनी हुई है। राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से सोनिया गांधी पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष बनकर यह जिम्मेदारी संभाल रही हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं समेत कई लोग अक्सर राहुल को फिर से पार्टी का अध्यक्ष बनाने की मांग करते रहते हैं। हालांकि, कांग्रेस के सभी नेता इस बात पर एक मत नहीं हैं।

अफगानिस्तान पर भारत ठहरो और इंतज़ार करो की

प्रधानमंत्री आवास पर अफ़ग़ानिस्तान के हालात पर उच्च स्तरीय बैठक हुई जिसमें तमाम बड़े नेता शामिल हुए. बाहरी आतंकी संगठनों की ओर से सम्भावित ख़तरों के मद्देनज़र आंतरिक

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री आवास पर तक़रीबन दो घंटे अफ़ग़ानिस्तान के हालात पर उच्च स्तरीय बैठक हुई. इस महत्वपूर्ण बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और आयुक्त सेना प्रमुख जनरल विपिन रावत ने हिस्सा लिया. सूत्रो में मुताबिक़ अफ़ग़ानिस्तान के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई है. ख़ासतौर पर तालिबान और पाकिस्तान स्थित तमाम आतंकी संगठनों की ओर से सम्भावित ख़तरों के मद्देनज़र आंतरिक सुरक्षा के हालात पर बातचीत हुई. हाल ही में पाकिस्तान की तरफ़ से घुस पैठ की कोशिशों और सुरक्षा एजेंसियों की उच्चतम सतर्कता के चलते घुसपैठ को नाकाम कर दिया गया था. ख़ुफ़िया रिपोर्ट्स के मुताबिक़ आधुनिक हथियारों के साथ पाकिस्तानी आतंकी पाक अधिकृत कश्मीर में पहुंच रहे हैं. पाकिस्तान लगातार इन आतंकियों को कश्मीर में घुसपैठ कराने की फ़िराक़ में है. तालिबान और पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी संगठनों के साझा गठबंधन से भारत की आंतरिक सुरक्षा को लेकर इस बैठक में चर्चा की गई है. पाकिस्तान की ख़ुफ़िया एजेंसियों और पाकिस्तान की सेना की अफ़ग़ानिस्तान में अत्याधिक सक्रियता को लेकर भी बारीक तस्वीर सामने रखी गई. इसके अलावा पाकिस्तानी सेना की बटालियन और एयर फ़ोर्स के अफ़ग़ानिस्तान के पंजशीर में इस्तेमाल और मौजूदगी पर भी चर्चा हुई. सूत्रों के मुताबिक़ अफ़ग़ानिस्तान में नए सरकार के स्वरूप और उसने पाकिस्तान के दखल पर ख़ासतौर पर हक़्क़ानी गुट को सत्ता में बड़ी हिस्सेदारी की कोशिशों और उसके प्रभाव पर भारत की पैनी नज़र बनी हुई है. दुनिया भर के देश अफ़ग़ानिस्तान पर नज़र रखे हुए हैं और भारत भी उन तमाम देशों के सम्पर्क में है. ईरान के तरफ़ से राष्ट्रपति ने इब्राहिम राइसी ने तो साफ़ कर दिया है कि वे अफ़ग़ानिस्तान में चुनी हुई सरकार को ही मान्यता देंगे. उधर अमेरिका सहित तमाम नाटो देश भी सभी को समाहित करने वाली सरकार चाहते हैं.

ऐसे में सरकार के स्वरूप को लेकर भी चल रही रस्साकसी को लेकर भी सभी की नज़र है. दरअसल अफ़ग़ानिस्तान में सरकार का स्वरूप ही तय करेगा कि तालिबान की सरकार कितनी स्थाई होगी और अफ़ग़ानिस्तान में भविष्य में कैसे हालात होंगे.

फ़िलहाल भारत की प्राथमिकता फंसे भारतीयों की सुरक्षित आपसी और भारत की तेईस हज़ार करोड़ की परियोजनाएं भी अफ़ग़ानिस्तान में हैं. फ़िलहाल भारत भी दुनिया के तमाम दूसरे देशों की तरह वेट एंड वॉच की मुद्रा में हैं.

फैसला: ट्रिब्यूनल सुधार एक्ट और नियुक्ति में देरी पर केंद्र को फटकार, सुप्रीम कोर्ट बोला-

सरकार नहीं करती अदालत के फैसले का सम्मान

नई दिल्ली । ट्रिब्यूनल सुधार एक्ट और नियुक्तियों में हो रही देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आज केंद्र सरकार को जमकर फटकार लगाई है। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण ने कहा कि हमें लगता है कि केंद्र को शीर्ष अदालत के फैसलों का कोई सम्मान नहीं है अगर वह सम्मान करते तो इसे लागू करने के बजाए टालते नहीं।

शीर्ष अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि आप हमारे धैर्य की परीक्षा मत लीजिए। मुख्य न्यायाधीश ने सख्त टिप्पणी करते हुए केंद्र को ट्रिब्यूनलों में नियुक्ति के लिए एक हफ्ते का वक्त दिया है। साथ ही कहा कि आशा करता हूं कि सरकार नियुक्तियों का आदेश जारी करेगी।

कोर्ट ने मामले की सुनवाई को अगले हफ्ते (सोमवार) तक के लिए टाल दिया है। साथ ही अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी भी दी। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि सशस्त्र बलों के ट्रिब्यूनलों में भी पद खाली हैं, सभी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट के पास आ रही हैं। केंद्र सरकार पर आरोप लग रहे हैं कि केंद्र सदस्यों की नियुक्ति नहीं करके ट्रिब्यूनल को कमजोर कर रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार के पास तीन विकल्प हैं। पहला कि वह ट्रिब्यूनल सुधार एक्ट 2021 कानून पर रोक लगा दें। दूसरा कि ट्रिब्यूनलों को बंद कर दें। तीसरा कि सुप्रीम कोर्ट खुद ही ट्रिब्यूनलों में नियुक्ति करने का काम शुरू कर दें। साथ ही कहा कि ऐसा करने के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाही शुरू करने पर भी विचार कर सकता है। सुनवाई करते हुए जस्टिस नागेश्वर रॉव ने कहा कि हम जिन ट्रिब्यूनलों की सिफारिशों पर चर्चा कर रहे हैं, वे इस सुधार विधेयक के अस्तित्व में आने से 2 साल पहले भेजे गए थे, लेकिन अबतक नियुक्ति नहीं हुई। वहीं, जस्टिस डीवीई चंद्रचूड ने कहा कि मेरे पास आईबीसी के बहुत मामले आ रहे हैं जो कि कॉरपोरेट के लिए बहुत जरूरी है ।

केरल हाईकोर्ट का निर्देश: 12 नहीं चार हफ्ते बाद ही कोविशील्ड की दूसरी डोज दी जाए, केंद्र कोविन पोर्टल में बदलाव करे

तिरुवनंतपुरम । केरल हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि जो लोग कोविशील्ड टीके की पहली खुराक के बाद दूसरी खुराक जल्दी लेना चाहते हैं, उनके लिए पहली खुराक लेने के चार हफ्ते बाद कोविन पोर्टल पर दूसरी खुराक का समय लेने की इजाजत दी जाए। न्यायमूर्ति पी बी सुरेश कुमार ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि अगर केंद्र और राज्य सरकारें विदेश यात्रा करने वाले लोगों को कोरोना से जल्दी और बेहतर सुरक्षा के बीच चयन करने की अनुमति दे सकती हैं, तो कोई कारण नहीं है कि समान विशेषाधिकार यहां रहने वाले लोगों को नहीं दिया जा सकता। खासकर उन लोगों को जो अपने रोजगार या शिक्षा की वजह से जल्द

सुरक्षा चाहते हैं। सोमवार को उपलब्ध कराए गए अपने तीन सितंबर के आदेश में उच्च न्यायालय ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की नीति के अनुसार भी लोगों के पास जल्दी टीकाकरण कराने का विकल्प है, इसके लिए निजी अस्पतालों के माध्यम से भी भुगतान के आधार पर टीका वितरित किया जा रहा है। अदालत ने कहा, केंद्र को कोविन पोर्टल में तुरंत आवश्यक बदलाव करने का निर्देश दिया जाता है, ताकि लोग शुरुआती प्रोटोकॉल के मुताबिक पहली खुराक के चार हफ्ते के बाद कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक का समय ले सकें। अदालत ने काइटेक्स गारमेंट्स लिमिटेड की याचिका को स्वीकार करते हुए यह निर्देश दिए, जिसमें 84 दिनों तक इंतजार किए बिना अपने कर्मचारियों को कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक देने की इजाजत मांगी गई थी। कंपनी ने अपनी याचिका में कहा कि वह पहले ही अपने 5,000 से अधिक कामगारों को टीके की पहली खुराक लगवा चुकी है। साथ ही उसने लगभग 93 लाख रुपये की लागत से दूसरी खुराक की व्यवस्था भी की है, लेकिन मौजूदा प्रतिबंधों के कारण इसे कामगारों को लगवाने में वह असमर्थ है।

नमाज के लिए कमरा आवंटन के खिलाफ बीजेपी विधायकों का हंगामा, भजन-कीर्तन करने बैठे

रांची । झारखंड विधानसभा में नमाज के लिए अलग से कमरा आवंटित करने को लेकर भाजपा जमकर हंगामा किया। इस फैसले के खिलाफ विधायकों ने विधानसभा में ही भजन-कीर्तन शुरू कर दिया। विधायकों ने नमाज के लिए कमरे का आवंटन तुरंत रद करने की मांग की। सोमवार की सुबह ही भाजपा विधायकों ने हरे रामा-हरे कृष्णा, हर-हर महादेव और जय श्री राम के नारों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। कई विधायक ढोल मंजीरा लेकर विधानसभा पहुंचे थे। देवघर के भाजपा विधायक नारायण दास बकायदा पुजारी की वेशभूषा में पहुंचे। भाजपा विधायकों ने कहा कि उनका विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक कि नमाज के लिए कमरे का आवंटन रद नहीं कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि या तो यह आवंटन रद होना चाहिए या फिर हर धर्म के लिए कमरे आवंटित करने चाहिए। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही

भाजपा विधायक शुरू होते ही भाजपा विधायक जय श्री राम के नारे लगाते हुए वेल में चले गए। विधानसभा स्पीकर रवीन्द्र नाथ महतो ने कई बार विधायकों से वापस अपनी जगह पर जाने की अपील की लेकिन विधायकों का हंगामा जारी रहा तो उन्होंने विधानसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी। भाजपा के इस हंगामे की सीएम हेमंत सोरेन और सरकार के मंत्रियों ने आलोचना की है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्न गुप्ता ने भाजपा पर धर्म के नाम पर उन्माद फैलाने की कोशिश का आरोप लगाया। कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने भी भाजपा की आलोचना की। कहा कि भाजपा जनता को महंगाइ और रोजगार जैसे जनहित के मुद्दों से भटकाना चाहती है। गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा में नमाज के लिए एक अलग कमरा आवंटित करने की बात को लेकर पिछले दो दिन से सियासत गरमाई हुई है। भाजपा विधानसभा परिसर में हनुमान मंदिर और अन्य धर्मों के पूजा स्थलों के निर्माण की मांग कर रही है। रविवार को भी राज्य में इस मुद्दे पर काफी बवाल मचा था। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सीएम हेमंत सोरेन और विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो का पुतला फूंककर विरोध जताया था।

जावेद अख्तर के मुंबई आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ायी गई, भाजपा ने की माफी की मांग की

मुंबई। लेखक-गीतकार जावेद अख्तर के मुंबई स्थित आवास के बाहर सुरक्षा सोमवार को बढ़ा दी गई। भाजपा के एक विधायक ने अख्तर से उनकी उस टिप्पणी को लेकर उनसे माफी की मांग की है जिसमें उन्होंने आरएसएस की तुलना कथित तौर पर तालिबान के साथ की थी। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने कहा कि जुहू इलाके में इस्कॉन मंदिर के पास स्थित अख्तर के आवास के बाहर पुलिस की पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि महिला कांस्टेबल सहित सुरक्षा कर्मियों को गीतकार के घर के बाहर तैनात किया गया है। अख्तर ने हाल ही में एक समाचार चैनल से कहा था

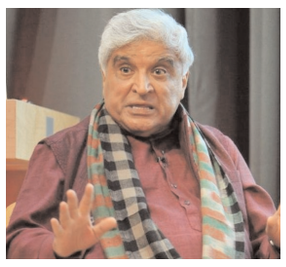

कि पूरी दुनिया में दक्षिणपंथियों में एक अनोखी समानता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का नाम लिए बिना गीतकार ने कहा था, ''तालिबान एक इस्लामी देश चाहता है। ये लोग हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं।''भाजपा विधायक और प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता राम कदम ने अख्तर की टिप्पणी की निंदा की। मुंबई के विधायक ने कहा कि अख्तर से जुड़ी किसी भी फिल्म को देश में तब तक प्रदर्शित नहीं होने दिया जाएगा जब तक कि वह अपनी टिप्पणियों के लिए संघ के पदाधिकारियों से माफी नहीं मांग लेते। महाराष्ट्र में राकांपा और कांग्रेस के साथ सत्ता साझा करने वाली शिवसेना ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तालिबान से तुलना करने में गीतकार जावेद अख्तर ''पूरी तरह से गलत'' थे। शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा गया है, ''आप कैसे कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का समर्थन करने वाले तालिबानी मानसिकता के हैं?

कोयला घोटाला: ईडी ने अभिषेक बनर्जी से नौ घंटे की पूछताछ, बोले- हम और मजबूती से लड़ेंगे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में कथित कोयला घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में पूछताछ के लिए टीएमसी महासचिव और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी सोमवार को दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय पहुंचे। मीडिया से बातचीत में अभिषेक ने कहा कि उन्हें ईडी ने पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया था, उसी आधार पर वह ईडी के समक्ष पेश हुए। उन्होंने कहा कि वह केंद्रीय एजेंसी को जांच में पूरा सहयोग करेंगे। बहरहाल, अब जानकारी आ रही है कि बनर्जी से ईडी ने करीब नौ घंटे की पूछताछ की। ईडी के सवालों का जवाब देकर दफ्तर से बाहर आए अभिषेक बनर्जी ने सीधे भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो भी बीजेपी के खिलाफ लड़ता है उसे परेशान किया जाता है। यह मामला कोलकाता से सामने आया है, मुझे दिल्ली तलब किया गया है। मुझसे पिछले 8 घंटों से लगातार सवाल पूछे जा रहे हैं। पहले दिन से, मैं अपने खिलाफ सबूत, यदि कोई हो तो, सार्वजनिक करने के लिए कह रहा हूं। बनर्जी ने कहा कि अगर बीजेपी को लगता है कि वह यह सब करके टीएमसी को डरा सकती है, अगर उन्हें लगता है कि टीएमसी भी कांग्रेस और अन्य पार्टियों की तरह हार मान लेगी, तो हम और मजबूती से लड़ेंगे। हम हर उस राज्य में जाएंगे, जहां उन्होंने (भाजपा) लोकतंत्र की हत्या की है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की तानाशाही परास्त होगी। बीजेपी को अपनी सारी ताकत, जोश, धमकी और संसाधन लगाने दो, मेरे शब्दों पर ध्यान दें, उनके संसाधन खत्म होने वाले हैं। टीएमसी अगले चुनावों में बीजेपी को हराएगी। उन्होंने कहा कि नौ घंटे मुझसे सवाल-जवाब किए गए। अगर मेरे खिलाफ सबूत हैं कि मैंने

10 पैसे का भी लेनदेन किया है तो

डायमंड हार्बर से सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी से सोमवार को ईडी पूछताछ करेगी। अभिषेक बनर्जी पर कथित कोयला घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे हैं। पिछले दिनों ईडी ने नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, अभिषेक ने कहा कि भाजपा हार के बाद राजनीतिक बदला ले रही है।

मुझे फांसी पर चढ़ा दीजिए, मैं तैयार हूं। जो भाजपा के खिलाफ लड़ता है भाजपा उसे परेशान करती है। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ कोई सबूत हैं तो उसे लोगों के सामने लाएं। भाजपा को लगता है दूसरे दलों की तरह टीएमसी डर जाएगी, घर में बैठ जाएगी। आपको जो उखाड़ना है उखाड़ लीजिए। टीएमसी हर उस राज्य में जाएगी जहां भाजपा सत्ता में है। आपको जो करना है करें 2024 में तृणमूल कांग्रेस आपको हराएगी। हम इन निरंकुशों और कायरों के आगे नहीं झुकेंगे, जो हमें राजनीतिक रूप से नहीं हरा सकते। 25 भाजपा विधायक पार्टी से जुड़ने के लिए लाइन में हैं, लेकिन हम उन्हें नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई टीएमसी को जबरदस्ती रोकना चाहता है, तो मैं उन्हें चुनौती देता हूं। आप सीबीआई, ईडी, आयकर और किसी भी अन्य एजेंसी का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन हम नहीं झुकेंगे। हमें कोई रोक नहीं सकता है।

मैं हर जांच के लिए तैयार: अभिषेक

इससे पहले दिल्ली के लिए रवाना होते हुए अभिषेक ने कहा कि मैं हर तरह की जांच के लिए तैयार हूं। हालांकि, पूछताछ कितने बजे शुरू होगी इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि सेकेंड हाफ में अभिषेक बनर्जी से पूछताछ होगी। इससे पहले उनकी पत्नी को भी एजेंसी की तरफ से बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने कोरोना महामारी का हवाला देते हुए अपने घर पर पूछताछ करने का अनुरोध किया था। डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने अपने ऊपर लगे मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप को लेकर कहा कि अगर कोई केंद्रीय एजेंसी किसी भी अवैध लेन-देन में उनकी संलिप्तता को साबित कर दे, तो वह खुद को फांसी पर लटका लेंगे। इस दौरान अभिषेक बनर्जी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद भाजपा राजनीतिक बदला ले रही है।

सर्दी में ध्यान रखें पौधों का

कहीं आप के घर में लगे पौधे तो खत्म नहीं हो रहे। अगर ऐसा है तो आपको इसका कारण तलाशना होगा और सर्दियों के मौसम में अपने घर की बगिया की खूबसूरती बनाए रखने के लिए कुछ सावधानियाँ भी बरतनी होंगी।

आउटडोर प्लांट्स की सुरक्षा के लिए उन्हें धूप में रखना चाहिए। शाम के समय इनमें हल्का पानी दें, साथ ही इनके सूखे पत्तों को निकाल दें, अन्यथा ये पौधे के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। अशोक कुमार का कहना है कि फूलों के पौधों को धूप लगाना बेहद जरूरी होता है।

सूर्य के किरणों से मिलने वाली ऊर्जा इनमें लाभदायक होती है। समय-समय पर सभी पौधों की जांच भी करते रहें कि कहीं उनमें किसी प्रकार के कीड़े आदि न लगे हों।

अकसर ऐसा होता है कि पौधों में कीड़ा लगा होता है, हमें इसका पता तब चलता है जब पौधा खत्म होने के कगार पर पहुँच जाता है।

आता है प्यार जताना...

यह हकीकत है कि हर माता-पिता अपने बच्चों से प्यार करते हैं, मगर बहुत से माता-पिता यह नहीं जानते कि उसे जताना भी जरूरी है...

- बच्चों को बहुत देर के लिए घर में अकेला छोड़कर न जाएं। इससे उन्हें यह अहसास होता है कि उनके मम्मी-पापा को उनकी जरा भी चिंता नहीं है। यदि घर-परिवार में बड़े-बुजुर्ग हैं तो बच्चों की जिम्मेदारी उनके हवाले कर सकती हैं।
- बच्चों के सोने से पहले कुछ समय उनके साथ अवश्य बिताएं। उन्हें प्यार भरी थपकी देकर सुलाएं। अध्ययनों से यह बात साबित हो चुकी है कि मीठी थपकी बच्चों के दिमाग पर बढ़िया असर डालती है।
- समय-समय पर बच्चों के दोस्तों और उनके परिवार के बारे में जानकारी अवश्य करती रहें।
-स्कूल में होने वाली मीटिंग्स अवश्य अटेंड करें। इससे बच्चे की प्रोग्रेस के बारे में पता चलता रहता है।
- यदि आपके पास समय है तो होमवर्क करने में उसकी मदद करें। इससे बच्चे को यह अहसास होता है कि आप उसकी कितनी केयर करती हैं।
- यदि आप दोनों कामकाजी हैं तो समय-समय पर फोन करके बच्चों का हालचाल ले सकती हैं।
- बच्चों को यह अहसास दिलाना बहुत जरूरी है कि आप उन्हें बहुत प्यार करते हैं।
- जब भी फुर्सत मिले बच्चों के साथ विभिन्न प्रकार के गेम्स खेलें। छुट्टी के दिन उन्हें नजदीकी पार्क में ले जाएं और वहां आउटडोर गेम्स का मजा उठाएं।
- जब भी मौका मिले बच्चों को किसी मनोरम स्थान पर अवश्य ले जाएं। इस दौरान साथ बिताए गए पल दिमाग पर अच्छा असर डालते हैं। आप चाहें तो किसी धार्मिक स्थान पर भी जा सकती हैं या किसी पिकनिक स्पॉट पर।
- समय-समय पर बच्चों के साथ बैठकर इत्मीनान से यह पता करें कि उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी तो नहीं है। ऐसा करने से आपका रिश्ता अधिक मजबूत होगा।
- काम से लौटने के बाद या जब भी फुर्सत मिले बच्चों से बातचीत करें। इससे आपको यह जानने में आसानी रहेगी कि उनके मन में क्या चल रहा है।

मुस्कुराहट में है जादू

मुस्कुराहट में वह जादू है कि इसके होठों पर आते ही तनाव रूठकर चला जाता है। इसका जादू जल्दी ही आसपास मौजूद सभी लोगों पर छा जाता है और उदास चेहरों पर हँसी बनकर यह राज करने लगती है।

आजकल तनावभरी इस ऊबाऊ जिंदगी में यदि दो पल मुस्कुराहट के मिल जाएँ तो जिंदगी में सुकून का तड़का लग जाता है और जिंदगी हसीन हो जाती है। हँसना हम सभी जानते हैं, पर हम उसकी वजह ढूँढते हैं। हँसने का भी भला कोई बहाना होता है?

हँसना स्वस्थ और सुखी रहने का एक बढ़िया फंडा है जिसने इसे अपना लिया वह कभी उदास हो ही नहीं सकता है इसलिए हमेशा हँसते रहो और हँसाते रहो।

जब मिलता है कोई अज़ीज़

अपने किसी प्रिय दोस्त या रिश्तेदार के मिलने पर हमें बेहद खुशी होती है और उसके साथ अपने अनुभव बाँटते वक्त हँसी-ठहाके लगाना हमारे लिए एक आम बात बन जाती है।

उस वक्त हम अपने तनावों को भूल जाते हैं और दो पल मुस्कुरा लेते हैं। यह हँसी कोई बनावटी नहीं बल्कि दिल से निकली हँसी होती है, जो हमें असीम सुख देती है।

जब होता है परिवार साथ:

रात-दिन दौड़ती-भागती जिंदगी में शाम को जब हम अपने परिवार के साथ होते हैं और सब कुछ भूलकर उन्हीं में रम जाते हैं तब मुस्कुराहट अपना जादू बिखेरती हुई हम सभी को हँसाती है।

अधिकांश कामकाजी लोगों के लिए परिवार का साथ हँसने का बहाना होता है। उनके लिए वे फुर्सत के क्षण तनावरहित जिंदगी से निजात पाने का एक अच्छा मौका होता है। उस मौके को वे गँवाना नहीं चाहते हैं क्योंकि उसके बाद तो उन्हें अगले दिन से अपने रोजमर्रा के कामकाजों में जुट जाना होता है।

आजकल तनावभरी इस ऊबाऊ जिंदगी में यदि दो पल मुस्कुराहट के मिल जाएँ तो जिंदगी में सुकून का तड़का लग जाता है और जिंदगी हसीन हो जाती है। हँसना हम सभी जानते हैं, पर हम उसकी वजह ढूँढते हैं। हँसने का भी भला कोई बहाना होता है?

दोस्तों के साथ कॉफी का मजा:

कॉलेज के विद्यार्थी हों या नौकरीपेशा लोग, सभी जब कॉफी पीने के लिए इकट्ठा होते हैं, तब उन्हें हँसने का एक अच्छा बहाना मिल जाता है।

दोस्तों के साथ गपशप करना और एक-दूसरे की टाँग खींचने में उन्हें इतना मजा आता है कि चाहते या न चाहते हुए भी वे अपना तनाव भूलकर मुस्कुरा ही लेते हैं।

जब जिंदगी हमारी है तो क्यों न हम इसे प्रसन्नतापूर्वक जिएँ। यदि हमारी मुस्कुराहट कई उदास चेहरों पर हँसी ला सकती है तो हमारा मुस्कुराना बहुत अच्छा है। हँसना स्वस्थ और सुखी रहने का एक बढ़िया फंडा है जिसने इसे अपना लिया वह कभी उदास हो ही नहीं सकता है इसलिए हमेशा हँसते रहो और हँसाते रहो।

नौसेना ने पसंदीदा सुरक्षा साझेदार होने के देश के दृष्टिकोण को रेखांकित किया : राष्ट्रपति कोविंद

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को यहां पास स्थित आईएनएस हंस पर एक रस्मी परेड में भारतीय नेवल एविएशन को 'राष्ट्रपति का ध्वज' (प्रेसीडेंट्स कलर) प्रदान किया और कहा कि संकट के समय में नौसेना की त्वरित एवं प्रभावी तैनाती ने हिंद महासागर क्षेत्र में 'प्रथम प्रतिक्रिया देने' और 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' बनने के देश के दृष्टिकोण को रेखांकित किया है। इस अवसर पर नौसेना ने राष्ट्रपति को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। गोवा के तीन दिवसीय दौरे पर आए राष्ट्रपति ने नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह की मौजूदगी में नेवल एविएशन को 'राष्ट्रपति का ध्वज' प्रदान किया। पणजी से करीब 40 किमी दूर वास्को में स्थित आईएनएस हंस नौसैन्य अड्डे पर हुए इस कार्यक्रम को राष्ट्रपति ने संबोधित किया। इसमें गोवा के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत तथा अन्यअतिथि मौजूद थे। राष्ट्र की अद्वितीय सेवा के लिये किसी भी सैन्य इकाई को प्रदान किया जाने वाला 'राष्ट्रपति का ध्वज' सर्वोच्च सम्मान होता है। इस अवसर पर कोविंद ने कहा, ''भारतीय नौसेना ने सभी क्षेत्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने मित्रों एवं साझेदारों के साथ राजनयिक संबंधों को बढ़ाने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत की कोविड-19 को लेकर मदद संबंधी पहुंच के लिए 'ऑपरेशन समुद्र सेतु' और 'मिशन सागर' जैसे अभियानों के साथ नौसेना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उसने हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री पड़ोसियों और साझेदारों को सहायता पहुंचाई। राष्ट्रपति ने कहा, ''संकट के समय में भारतीय नौसेना की त्वरित एवं प्रभावी तैनाती ने 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' और 'प्रथम प्रतिक्रिया' वाला देश बनने की भारत की सोच को रेखांकित किया है।'' उन्होंने कहा कि देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के अलावा वह नौसेना की एक विशेष उपलब्धि को रेखांकित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे बताया गया कि भारतीय नौसेना ने स्वदेशीकरण को सक्रिय रूप से अंगीकार किया है। यह नौसेना की वर्तमान एवं भविष्य की अधिग्रहण योजनाओं में झलकता है जिसके पीछे स्वदेशीकरण की ताकत है।'' कोविंद ने कहा कि बल में महिलाओं को शामिल करने में भी नेवल एविएशन अग्रणी है। उन्होंने कहा, ''नेवल एविएशन में 150 हवाई यातायात नियंत्रण अधिकारियों में से करीब 84 अर्थात 50 फीसदी से अधिक महिलाएं हैं और 400 पर्यवेक्षकों में से 75 महिलाएं हैं। मुझे बताया गया कि महिला पायलटों को नेवल एविएशन में शामिल किया गया। यह एक स्वस्थ चलन है जिसे प्रोत्साहित करना चाहिए।'' राष्ट्रपति ने अनेक मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियानों में नेवल एविएशन के योगदान की सराहना की। नौसेना के प्रवक्ता ने एक विज्ञप्ति में बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों में भारतीय नौसेना को सबसे पहले यह सम्मान मिला था, जब भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 27 मई, 1951 को उसे ध्वज प्रदान किया था। उसके बाद 'राष्ट्रपति का ध्वज' नौसेना के दक्षिणी कमान, पूर्वी कमान, पश्चिमी कमान, पूर्वी बेड़े, पश्चिमी बेड़े, पनडुब्बी इकाई, आईएनएस शिवाजी और भारतीय नौसेना अकादमी को भी प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि भारतीय नेवल एविएशन उस समय अस्तित्व में आया, जब 13 जनवरी, 1951 को पहला सी-लैंड हवाई जहाज खरीदा गया तथा 11 मई, 1953 को पहला नौसेना हवाई स्टेशन आईएनएस गरुड़ का लोकार्पण किया गया था। आज, भारतीय नेवल एविएशन के पास नौ हवाई स्टेशन और तीन नौसेना वायु क्षेत्र हैं। ये सभी भारत की तटरेखा और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में स्थित हैं। पिछले सात दशकों के दौरान, नेवल एविएशन आधुनिक, प्रौद्योगिकी आधार पर उन्नत और अत्यंत सक्षम बल के रूप में विकसित हो चुका है।

नीट यूजी परीक्षा 12 सितंबर को ही होगी, सुप्रीम कोर्ट ने बदलाव की मांग याचिका खारिज की

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी 2021 परीक्षा को पुनर्निर्धारित करने या स्थगित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आदेश देने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। सोमवार को सुनवाई के दौरान जस्टिस एएम खानविलकर, जस्टिस हृषिकेश रॉय और जस्टिस सीटी रविकुमार की की खंडपीठ ने मौखिक रूप से कहा कि अदालत छात्रों के एक वर्ग की असुविधा का हवाला देते हुए परीक्षा कार्यक्रम में हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सीबीएसई कक्षा 12वीं के प्राइवेट, पत्राचार और कम्पार्टमेंट परीक्षा देने वाले छात्रों के एक समूह द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें नीट यूजी 2021 परीक्षा को स्थगित करने की मांग की गई थी, जो कि 12 सितंबर से शुरू होने वाली है। कोर्ट ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी

शिकायतों को सक्षम अधिकारियों के समक्ष उठाने के लिए स्वतंत्र होंगे। जब याचिकाकर्ताओं के वकील शोएब आलम ने कहा कि कक्षा 12वीं के लिए लगभग 25,000 छात्र या तो सुधार या कंपार्टमेंट परीक्षाओं में शामिल होंगे। आलम ने तर्क दिया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2021 को स्थगित कर दिया जाए, क्योंकि सीबीएसई समेत कई अन्य परीक्षाएं 12 सितंबर के आसपास निर्धारित हैं। इस पर पीठ ने कहा कि केवल एक प्रतिशत उम्मीदवार ही इसके लिए जाते हैं। आप जिन तर्कों को रख रहे हैं, वे 99 प्रतिशत उम्मीदवारों के लिए प्रासंगिक नहीं हो सकते हैं। एक प्रतिशत उम्मीदवारों के लिए, पूरी परीक्षा प्रणाली को नहीं रोका जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि हम इस याचिका पर विचार नहीं करेंगे। हम अनिश्चितता नहीं चाहते हैं। परीक्षा जारी रहने दें। पीठ ने कहा, यदि आपको कई परीक्षाओं में शामिल होना है, तो आपको चुनाव करने की जरूरत है, आपको प्राथमिकता देनी होगी। आपको यह भी पता होना चाहिए कि किसी भी स्थगन का किसी अन्य परीक्षा के साथ टकराव होने की संभावना है। बता दें कि 03 सितंबर को, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया था कि छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी, भले ही सीबीएसई के परिणाम तब तक घोषित न किए जाएं।एनटीए ने कहा, परिणाम की घोषणा न करने तक छात्रों को परीक्षा में बैठने से नहीं रोका जाएगा और परिणाम केवल काउंसलिंग के दौरान ही मांगे जाएंगे। गौरतलब है कि सीबीएसई कक्षा 12वीं के प्राइवेट, पत्राचार और कम्पार्टमेंट परीक्षा देने वाले छात्रों के एक समूह द्वारा दायर याचिका में 12 सितंबर को नीट यूजी 2021 के आयोजन के सार्वजनिक नोटिस को स्पष्ट रूप से मनमाना और भारत के संविधान के अनुच्छेद-14 का उल्लंघन बताते हुए रद्द करने की मांग की गई है।

सलमान खुर्शीद बोले, प्रियंका गांधी के ही नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं सभी दल अपनी रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि कांग्रेस का नेतृत्व उत्तर प्रदेश में कौन करेगा? इसी को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने बड़ा बयान दिया है। सलमान खुर्शीद ने साफ तौर पर कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रियंका गांधी ही कांग्रेस का चेहरा होंगी। हालांकि उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा इसको लेकर पार्टी नेतृत्व बाद में फैसला करेगा। सलमान खुर्शीद ने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को शून्य से आगे ले जाना है। उत्तर प्रदेश में 15 से 20 सालों में कांग्रेस का वर्चस्व कम हुआ है। चुनाव में हमारे गठबंधन को भी सिरे से खारिज कर दिया है। दरअसल, सलमान खुर्शीद इन दिनों अलग-अलग जिलों का दौरा कर रहे हैं। पार्टी के लिए घोषणा पत्र तैयार करने को लेकर जनता की नब्ज टटोलने

के लिए सलमान खुर्शीद अलीगढ़ पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि समाज में उथल-पुथल मची हुई है।

समाज राजनीतिक पार्टियों से क्या चाहती है इस को जानना बेहद जरूरी है और यही कांग्रेस करने निकली है। उन्होंने कहा कि घोषणापत्र में हम व्यापारी, अधिवक्ता, शिक्षक, किसान, मजदूर, युवा समेत अन्य के सुझावों को शामिल करेंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने अफगानिस्तान के हालात पर शुरुआत में आंखें बंद कर रखी थीं और अब क्षेत्र में भारत के हितों की रक्षा करने को लेकर अनभिज्ञ नजर आ रही है। पूर्व विदेश मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को इसका खुलासा करना चाहिए कि उसने तालिबान के साथ क्या बातचीत की है तथा कांग्रेस अफगानिस्तान के मुद्दे पर केंद्र का समर्थन एवं सहयोग करेगी क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''केंद्र ने शुरुआत में अफगानिस्तान के हालात को लेकर आंखें बंद कर लीं, जैसे कि यह सिर्फ अमेरिका और साझेदार देशों से जुड़ी समस्या हो। अफगानिस्तान के मौजूदा हालात के कारण हमारी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता है और राष्ट्रीय हितों को खतरा है।

भाजपा देश के हितों की रक्षा करने के संदर्भ में बेखबर है।'' खुर्शीद ने कहा, ''सरकार ने तालिबान के साथ बातचीत की है। अब उसे बताना चाहिए कि क्या चर्चा हुई। देशवासियों को इस बारे में पता होना चाहिए। कांग्रेस पार्टी देश के हितों की रक्षा के लिए मजबूती से साथ खड़ी रहेगी। लेकिन हम अपनी सरकार से परिपक्व राजनीतिक और कूटनीतिक प्रतिक्रिया की अपेक्षा करते हैं।'' उन्होंने जोर देकर कहा, ''हम अफगानिस्तान के हालात के संदर्भ में केंद्र का समर्थन एवं सहयोग करेंगे क्योंकि यह राष्ट्रीय हितों से जुड़ा विषय है।

पीएम मोदी बोले- 100 साल की सबसे बड़ी महामारी के खिलाफ लड़ाई में हिमाचल प्रदेश चैंपियन बनकर सामने आया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य कर्मियों और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के लाभार्थियों से संवाद किया. इस दौरान हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी मौजूद रहे. स्वास्थ्य कर्मियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत आज एक दिन में सवा करोड़ टीके लगाकर रिकॉर्ड बना रहा है. जितने टीके भारत आज एक दिन में लगा रहा है, वो कई देशों की पूरी आबादी से भी ज्यादा है. हिमाचल प्रदेश में टीकाकरण अभियान की तारीफ करते हुए कहा, 100 साल की सबसे बड़ी महामारी के विरुद्ध लड़ाई में हिमाचल प्रदेश चैंपियन बनकर सामने आया है. हिमाचल भारत का पहला राज्य बना है, जिसने अपनी पूरी योग्य आबादी को कोरोना टीके की कम से कम एक डोज लगा ली है और एक तिहाई आबादी को दूसरी डोज लगाई गई है. पीएम मोदी ने कहा, जिस सबका प्रयास की बात मैंने 75वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से कही थी, ये उसी का प्रतिबिंब है. हिमाचल के बाद सिक्किम और दादरा नगर हवेली ने शत प्रतिशत पहली डोज का पड़ाव पार कर लिया है और अनेक राज्य इसके बहुत निकट पहुंच गए हैं. हिमाचल में हर प्रकार की मुश्किलें थी, जो टीकाकरण में बाधक सिद्ध हुईं. पहाड़ी प्रदेश होने के नाते लॉजिस्टिक की दिक्कत रहती है, कोरोना टीके की स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन की और भी दिक्कत होती है.

दिल्ली में कोविड-19 के 30 नए मामले, संक्रमण से एक भी मरीज की मौत नहीं

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोविड-19 के 30 नए मामले सामने आए और संक्रमण दर 0.05 फीसदी दर्ज की गई। वहीं, लगातार पांचवें दिन भी संक्रमण से किसी मरीज की मौत नहीं हुई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों में बताया गया कि राष्ट्रीय राजधानी में दूसरी लहर के दस्तक देने के बाद से यह 24वां दिन है, जब संक्रमण से किसी व्यक्ति की मौत नहीं हुई। अप्रैल-मई में दिल्ली महामारी की दूसरी लहर से बेहद प्रभावित थी। बुलेटिन में बताया गया कि अब तक 14.12 लाख लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और फिलहाल 351 मरीजों का उपचार चल रहा है।

टीकाकरण अभियान में भारत विकसित देशों को पछाड़ रहा, अगस्त में जी-7 देशों से ज्यादा लगाए टीके

नयी दिल्ली। कोरोना माहामारी की उम्र एक साल से ज्यादा की हो गई। आपातकाल, बैन, लॉकडाउन आदि-इत्यादि झेलने के बाद दुनिया समाधान की तरफ बढ़ गई है। हम सब इस बात को जानते हैं कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में वैक्सीन ही सबसे बड़ा हथियार है। कोरोना वायरस टीकाकरण अभियान में भारत लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। अब तक 68 करोड़ से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन हो चुका है। इसके साथ ही टीके लगाने की रफ्तार में भी इजाफा हो रहा है। अगस्त के महीने में भारत ने 18 करोड़ से ज्यादा वैक्सीनेशन किया है। ये आंकड़ा सभी जी-7 देशों की तुलना में सबसे अधिक है। इस बात की जानकारी भारत सरकार की तरफ से दी गई है। केंद्र के आधिकारिक हैंडल MyGovIndia की ओर से जानकारी दी गई कि देश ने अगस्त में 18 करोड़ से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन किया। जो जी-7 देशों में लगाए गए कुल टीके से भी अधिक है। बता दें कि जी-7 दुनिया के सात सबसे विकसित देशों का समूह है। इसमें कनाडा, ब्रिटेन, इटली, जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका और जापान शामिल हैं। केंद्र सरकार की ओर से ट्वीट किया गया कि एक और उपलब्धि! अगस्त के महीने में वैक्सीन की 18 करोड़ से अधिक डोज देने के साथ भारत ने प्राथमिकता के आधार पर अपनी आबादी का टीकाकरण करने के वैश्विक मानचित्र पर अपनी छाप छोड़ी है। भारत के पिछले एक सप्ताह के आंकड़ों पर नजर डालें तो हर दिन औसतन 84.55 लाख लोगों को वैक्सीन की डोज लगाई गई है। अमेरिका, ब्राजील, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, इंडोनेशिया, तुर्की, फ्रांस जैसे देशों में एक दिन में लग रही वैक्सीन डोज की संख्या आपस में जोड़ दें तो भी ये सभी देश संयुक्त रूप से एक दिन में भारत के 84.55 लाख से अधिक की वैक्सीन डोज से कम ही आते हैं।

एक वर्ष पूर्व बने पुल में आई दरारें और धंसा सैकड़ो लोगो की जा सकती है जाने

दिल्ली सरकार के सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, सीडी-2 के ई.ई सुधीर आर्य और पूर्व ई.ई अशोक कुमार ने किया पुल निर्माण में किया करोड़ो का घोटालाः एफआईआर दर्ज कर, सीबीआई जांच की मांगः-आरडब्ल्यूए

(कार्यालय संवाददाता)

नई दिल्ली। सुल्तापुरी, सुल्तानपुर माजरा विधानसभा क्षेत्र के ए एण्ड बी एक्सटेंशन पुल सुल्तानपुरी और मंगोलपुरी को जोड़ने वाले मुख्य पुल को बने महज एक वर्ष पहले ही बनकर तैयार हुआ है। नाला पुल में दरारे आ गई है और सुल्तानपुरी साईड की ओर से पुल धंसता जा रहा है। यह पुल कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गया है। इतना ही नहीं, फुटपाथ भी क्षतिग्रस्त हो गई है। स्थानीय सुल्तापुरी रेजिडेंट वेलफेयर एक्सोसिएशन, अध्यक्ष ने इस पुल के निर्माण से सम्बंधित अनेको शिकायत महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री कार्यालय, महामहिम उपराज्यपाल और सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के सचिव को पत्र दिए। परन्तु भ्रष्टाचार की गंगोत्री में डूबकी लगा रहे अभियंताओं ने मोटे कमिशन के कारण पुल में घटिया निर्माण कार्य होने दिया और शिकायत-पत्रों को रददी की टोकरी में डाल दिया। क्षेत्रीय विधायक से प्रसनशा पूर्वक पत्र लिखवाकर भारत और दिल्ली सरकार को गुमराह किया गया।

पुल में आई दरारे और धंसने के फोटो सहित आयुक्त, सीवीसी, भारत सरकार व निदेशक, सतर्कता विभाग, दिल्ली सरकार को भी शिकायत-पत्र दिए गए। सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के ई.ई सुधीर आर्य, सहायक अभियंता जुबैर ख़ान, कनिष्ठ अभियंता सतीश

कुमार, पूर्व ई.ई अशोक कुमार और ठेकेदार से मिलीभगत कर पुल निर्माण में भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण सामग्री इस्तेमाल करने के कारण एक वर्ष पश्चात ही पुल के उपर व सुल्तानपुरी की ओर से धंस गया है तथा फुटपाथ भी उखड़ गई है, की एफआईआर दर्ज कर निदेशक सीबीआई, भारत सरकार से जांच कराने की मांग की है। सुल्तानपुरी.आर.डब्ल्यू.ए, अध्यक्ष का कहना है कि एक वर्ष पहले ही पुल का निर्माण ट्रैफिक जाम लगने के कारण खोला गया था, उस पर दरारें आना और धंसना चिंता का विषय है। एक ही बारिश ने ही सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, सीडी-2 की पोल खोल कर रख दी है। पुल की हालात देखकर ऐसा लगता है जैसे जल्दबाजी में इसका उद्धघाटन कर दिया गया हो।

सुल्तानपुरी और मंगोलपुरी को जोड़ने के लिए ए एण्ड बी एक्सटेंशन के पास पुल का निर्माण किया गया। इसे बनाने में कई करोड़ रूपये की लागत आई, पिछले दो-तीन दिनों से हो रही बारिश के बाद पुल पर कई जगह दरारें और पुल धंसना दिखाई देने

लगा है। जबकि मंगोलपुरी की क्षेत्रीय विधायक कुमारी राखी बिडला ने इसका उद्धघाटन किया था। सुल्तानपुरी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष ने महामहिम राष्ट्रपति व उपराज्यपाल अनिल बैजल, माननीय प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी, आयुक्त, सीवीसी, भारत सरकार तथा मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल व मुख्य सचिव से सुल्तानपुरी और मंगोलपुरी पुल को जोड़ने वाले पुल निर्माण में लगाई गई घटिया निर्माण सामग्री व घोटाले की एफआईआर दर्ज कर निदेशक, सीबीआई से सीडी-2 के ई.ई सुधीर आर्य, ए.ई जुबैर ख़ान, जे.ई सतीश कुमार तथा पूर्व ई.ई अशोक कुमार की जांच के आदेश करे।

सम्पादकीय

कोविड काल में स्कूलः निजी स्कूलों की मनमानी और खुली लूट से अभिभावकों का मोहभंग

एक खबर है कि कोरोना के चलते देश के ज्यादातर निजी स्कूलों का राजस्व 20 से 50 प्रतिशत तक कम हो गया है। इसके अलावा, नए शिक्षण सत्र में नए दाखिले भी बेहद कम हुए हैं। इससे साफ है कि निजी स्कूलों की मनमानी और खुली लूट से अभिभावकों का मोहभंग होने लगा है। उनका झुकाव अब सरकारी स्कूलों की तरफ होने लगा है। सरकारी स्कूलों में दाखिले के लिए बढ़ती भीड़ इसी का परिचायक है। हम सब कोरोना महामारी से गुजरकर अब कुछ राहत की सांस ले रहे हैं, हालांकि खतरा अभी टला नहीं है। लेकिन हम सब घर से बाहर निकलने के लिए मजबूर हैं, क्योंकि सबको अपनी रोजी-रोटी भी तो चलानी है। इसके अलावा, बच्चों की शिक्षा को लेकर भी लोग सचेत होने लगे हैं। नया शिक्षण सत्र शुरू हो गया है। अभिभावक अपने बच्चों के दाखिले के लिए तत्पर हैं। लेकिन निजी स्कूलों की खुली लूट के आगे बेबस अभिभावकों का रुझान अब सरकारी स्कूलों की ओर बढ़ रहा है। इसलिए वे अपने बच्चों के दाखिले के लिए सरकारी स्कूलों का रुख कर रहे हैं। हर अभिभावक की चाहत होती है कि उसकी संतान को अच्छी शिक्षा, अच्छे संस्कार मिले। अब तक उच्च मध्यम वर्ग के लोग लाखों रुपये देकर अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेज रहे थे। अभिभावकों की इस चाहत को निजी स्कूलों ने खूब भुनाया। इन निजी स्कूलों ने शिक्षा के बजाय अपने व्यवसाय पर ज्यादा बल देना शुरू किया और फिर उनकी मनमानी शुरू हो गई, जिसके आगे अभिभावक बेबस हो गए। पर कोरोना ने सारे परिदृश्य को बदल दिया। इससे अभिभावकों की सोच बदली। यही कारण है कि अब वे निजी स्कूलों के बजाय बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में करवा रहे हैं। पहले हालात यह थे कि संतान के जन्म के तुरंत बाद माता-पिता पैसे का इंतजाम उनकी प्रारंभिक शिक्षा के नाम पर करते थे। यह एक ऐसा जहरीला ट्रेंड था, जिसमें मध्यम वर्ग अनजाने में ही फंसता चला जाता था। उधर सरकारी स्कूलों की हालत भी अच्छी नहीं थी। वहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छता का अभाव था। इसके अलावा छात्रों में अनुशासन की कमी दिखाई देती थी। शिक्षक भी गैरहाजिर रहते थे। सरकारी स्कूलों की इस कमजोरी का पूरा लाभ निजी स्कूलों ने उठाया। देखते ही देखते गांव-गांव में निजी स्कूलों का कब्जा हो गया। एक तरह से शिक्षा का व्यापार ही शुरू हो गया। निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ कई बार अभिभावक लामबंद हुए, पर राजनीतिक संरक्षण के कारण उनकी आवाज दब गई। सरकार भी लाचार हो गई। इसके बाद सरकारी स्कूल नींद से जागे। स्कूलों में सुधार दिखाई देने लगा। वहां बुनियादी सुविधाएं बढ़ने लगी। स्वच्छता अभियान चलाया गया। शिक्षकों को ताकीद की गई कि वे रोज स्कूल आएं। इन स्कूलों में भी डिजिटल सुविधाएं मिलने लगीं। कोरोना काल में अभिभावकों को यह एहसास हो गया कि जब सरकारी स्कूलों में भी बच्चों को बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं, तो फिर निजी स्कूलों में इतनी राशि क्यों खर्च की जाए? इस सोच ने शिक्षा माफिया को एक तरह से हिलाकर रख दिया। निजी स्कूलों में आपसी प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र थी कि वे विज्ञापनों पर ही लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करते थे। लोग विज्ञापन देखकर ही गद्गद हो जाते थे। शिक्षा माफिया का सीधा संबंध नेताओं से होने के कारण निजी स्कूलों के हौसले बुलंद होने लगे थे। अभिभावक भी दिखावे के कारण निजी स्कूलों की मनमानी सह रहे थे। पर कोरोना काल के बाद उनका मोहभंग होने लगा। अभिभावकों को यह एहसास हो गया कि दिखावे से कुछ नहीं होने वाला। इसलिए वे अब अपने बच्चों को निजी स्कूलों निकालकर सरकारी स्कूलों में भेजने लगे हैं। सरकार को भी समझना होगा कि वह सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के अलावा हर वे सुविधाएं बच्चों को उपलब्ध कराएं, जो निजी स्कूलों

आरएसएस की सोच तालिबानी है या इस तरह की बात करने वाले अज्ञानी हैं ?

नीरज कुमार दुबे

देश में एक चलन बन गया है कि जब भी तथाकथित बुद्धिजीवियों या राजनीतिक दलों के नेताओं को लगे कि मीडिया की सुर्खियों में आना है या अपने नेतृत्व की नजर में जगह बनानी है तो सबसे आसान काम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला बोल दो। दुनिया के सबसे अनुशासित और देशभक्त संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना कभी राहुल गांधी अरब जगत के इस्लामी संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड से करते हैं तो कभी जावेद अख्तर जैसे कथित बुद्धिजीवी संघ की सोच और विचारधारा पर सवाल उठाते हुए उसको तालिबानी करार देते हैं। कभी आजादी के आंदोलन में संघ के योगदान पर सवाल उठाये जाते हैं तो कभी आरएसएस की विचारधारा पर हमला बोला जाता है। लेकिन इन सब हमलों से बेपरवाह संघ राष्ट्र निर्माण, व्यक्ति निर्माण के कार्यों में सतत लगा हुआ है। आलोचनाएं या हमले संघ कार्य को ना कभी प्रभावित कर पाये ना कर पायेंगे क्योंकि संघ किसी सरकार या पार्टी से मिलने वाली मदद पर नहीं आत्मनिर्भर है। जो लोग भारत में संघ के कार्यों को लेकर शंका जाहिर करते हैं उन्हें पता होना चाहिए कि संघ के आनुषांगिक संगठन दुनिया के कोने-कोने में फैले हैं और मानव सेवा के कार्य कर रहे हैं। जहां तक संघ पर हालिया हमले की बात है तो गीतकार जावेद अख्तर ने आरएसएस की तुलना तालिबान से करते हुए कहा है कि संघ परिवार और उसके आनुषांगिक संगठनों- विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल का भी उद्देश्य वही है जो तालिबान का है। अंग्रेजी समाचार चैनल एनडीटीवी से बातचीत में जावेद अख्तर ने दावा किया कि भारतीय संविधान आरएसएस के लक्ष्य की राह में आड़े आ रहा है लेकिन अगर मौका मिला तो यह लोग उस सीमा को पार कर जाएंगे। जावेद अख्तर का यह बयान निजी खुन्नस का एक स्वरूप ही प्रतीत होता है क्योंकि उनके कथन से स्पष्ट है कि पढ़ने-लिखने की आदत होने के बावजूद उन्होंने ना तो कभी संघ के बारे में पढ़ा है, ना ही आरएसएस नेताओं के विचार सुने हैं और ना ही कभी एक सामान्य स्वयंसेवक तक से बातचीत की है। जावेद अख्तर अगर यह कह रहे हैं कि आरएसएस भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता है तो उनकी समझ पर तरस आता है। दरअसल आरएसएस की हिंदू राष्ट्र संबंधी सोच को जो लोग ठीक से समझ नहीं पाते वही इस तरह की बचकाना टिप्पणी करते हैं। आरएसएस का मानना है कि राष्ट्र के वैभव और शांति के लिए काम कर रहे सभी भारतीय हिंदू हैं। जिन लोगों की भावना राष्ट्रवादी है और जो लोग भारत की संस्कृति तथा विरासत का सम्मान करते हैं वो सभी हिंदू हैं। आरएसएस का मानना है कि सभी भारतीयों का डीएनए एक है चाहे वह किसी भी धर्म के हों। देखा जाये तो आरएसएस देश के सभी 135 करोड़ लोगों को हिंदू मानता है और जब भारत में सभी हिंदू हैं तो यह हिंदू राष्ट्र अपने आप ही हो गया। इसमें यह बात कहां से आई कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की साजिश चल रही है। साफ है कि ऐसी बातें सिर्फ भ्रम और डर का माहौल पैदा करने की मंशा रखने वाले लोग ही कहते हैं। हिंदुस्तान प्रथम, हिंदुस्तानी प्रथम के सिद्धांत पर कार्य करने वाले आरएसएस पर जो लोग समाज को बांटने का आरोप लगाते हैं उन्हें पता होना चाहिए कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बार-बार कहा है कि जो लोग मुसलमानों को देश छोड़ने के लिए बोलते हैं वह हिंदू नहीं हो सकते। संघ प्रमुख ने यह भी कई बार कहा है कि लोगों में इस आधार पर अंतर नहीं किया जा सकता कि उनके पूजा करने का तरीका क्या है। संघ के लिए भारतीय संविधान सर्वोच्च है और इसे वह पवित्र ग्रंथ के रूप में देखता है। संघ के बारे में अनेकों प्रकार के दुष्प्रचार किये जाते हैं, जैसे जावेद अख्तर या राहुल गांधी आदि को सिर्फ विश्व हिन्दू परिषद या बजरंग दल ही क्यों दिखते हैं, संघ के आनुषांगिक संगठनों में तो मुस्लिम राष्ट्रीय मंच और राष्ट्रीय सिख संगत भी हैं। राहुल गांधी कई बार यह भी कह देते हैं कि संघ महिला विरोधी है क्योंकि वहां महिलाओं को कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाता। उन्हें पता होना चाहिए कि राष्ट्रीय सेविका समिति और दुर्गा वाहिनी भी संघ के ही आनुषांगिक संगठन है और इन्हें महिलाएं ही चलाती हैं। कई लोग बीच-बीच में संघ के ध्वज पर भी सवाल उठा देते हैं और पूछते हैं कि तिरंगे की बजाय भगवा ध्वज क्यों? यह सवाल पूछने वालों को पहले यह समझना होगा कि संघ के लिए भी तिरंगा ही सबसे पहले है जहां तक बात भगवा ध्वज की है तो वह संघ के लिए गुरु समान है। यह सर्वविदित है कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार थे।

जब डॉ. हेडगेवार से यह आग्रह किया गया कि संस्थापक होने के नाते वह ही संगठन के गुरु बनें तो उन्होंने विनम्रतापूर्वक इंकार करते हुए हिंदू संस्कृति के प्रतीक भगवा ध्वज को गुरु के रूप में प्रतिष्ठित किया था। यही नहीं, आरएसएस की भारत भक्ति पर सवाल उठाते हुए उस पर तमाम तरह के आरोप लगा देना बड़ा आसान है लेकिन यह सबसे बड़ा सत्य और तथ्य है कि भारत में आरएसएस ही ऐसा संगठन है जो सिर्फ भारत माता की जय के नारे लगाता है और भारत माता का जयघोष चारों दिशाओं में गूँजता रहे इसके लिए निरन्तर कार्य करता है। किसी आपदा या संकट के समय आरएसएस के नेताओं को स्वयंसेवकों से मदद के लिए जुटने का आग्रह या आह्वान नहीं करना पड़ता बल्कि राहत कार्यों में सरकारी एजेंसियों से पहले स्वयंसेवक ही जुट जाते हैं। बहरहाल, संघ को समझना आसान भले नहीं हो लेकिन नामुमकिन भी नहीं है। संघ पर किसी भी प्रकार का आरोप लगाने से पहले जरा संघ की शाखा में जाना शुरू कीजिये, आपकी राय अपने आप बदल जायेगी। संघ ने समय-समय पर अपने बारे में भ्रम दूर करने के लिए सर्वसमाज को आमंत्रित करते हुए सम्मेलनों का भी आयोजन किया है। कभी मौका लगे तो ऐसे सम्मेलनों का हिस्सा बनिये और अपने मन के और दूसरों के मन के भ्रम को भी दूर कीजिये। जहां तक संघ पर तालिबानी संगठन होने का आरोप लगाने की बात है तो संघ तालिबानी नहीं बलिदानी संगठन है और देश तथा समाज के लिए इसने अनेकों बलिदान किये हैं। आजादी के आंदोलन में भले संघ से ज्यादा किसी अन्य संगठन का योगदान रहा हो लेकिन आजाद भारत के निर्माण में संघ से ज्यादा योगदान किसी अन्य संगठन का नहीं है।

श्रीलंका में दाने, खजाने का टोटा

आलोक जोशी

पंद्रह अगस्त के बाद से भारत में लगातार अफगानिस्तान खबरों में छाया हुआ है। बात भी बड़ी है। मगर इस बीच एक और पड़ोसी देश में एक टाइम बम फटा है, जिस पर शायद ही किसी का ध्यान गया हो। यह टाइम बम है श्रीलंका में फूड इमरजेंसी, यानी खाद्य आपातस्थिति का एलान। श्रीलंका सरकार ने खाने-पीने के सामान की जमाखोरी और मुनाफाखोरी के खिलाफ कड़े कदमों का एलान किया है। जानकारों का कहना है कि यह सिर्फ खाने का संकट नहीं है, बल्कि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ी मुसीबत का संकेत है, और यह असल में आर्थिक आपातकाल का एलान है। सच कहें, तो यह कोरोना की चेतावनी को हल्के में ले रहे लोगों के लिए खतरे की एक बड़ी घंटी है। कोरोना काल में श्रीलंका का पर्यटन उद्योग करीब-करीब ठप हो गया, और वह जिन चीजों के निर्यात पर निर्भर था, उसमें भी बहुत गिरावट आई। विदेशी निवेश न सिर्फ कम हुआ, बल्कि विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से भी बड़ी मात्रा में पैसा निकाला है। इन दोनों का असर था कि विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले श्रीलंकाई रुपये की कीमत में तेज गिरावट आई है। इस साल अभी तक श्रीलंका में अमेरिकी डॉलर 7.5 फीसदी से ज्यादा महंगा हो चुका है। उधर सिर्फ अगस्त के महीने में ही श्रीलंका में महंगाई दर में छह प्रतिशत का उछाल आया है। बाजार में दाम का जायजा लेने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक भारतीय रुपये में 2.75 श्रीलंकाई रुपये आते हैं और एक डॉलर की कीमत श्रीलंका में दो सौ रुपये से ज्यादा हो चुकी है। कोलंबो की एक वेबसाइट ने महंगाई का आलम दिखाने के लिए कुछ चीजों के अगस्त 2020 और अगस्त 2021 के दाम बताए हैं। वहां एक किलो हरी मूंग 341 रुपये से 828 रुपये पर पहुंच गई है, जबकि प्याज 219 से 322 रुपये, मलका की दाल 167 से 250 रुपये, चीनी 135 से 220 रुपये, काबुली चने 240 से 314 रुपये और सूखी मछली 688 रुपये से 926 रुपये पर पहुंच चुकी हैं। जाहिर है, ज्यादातर चीजों के दाम 30 से 200 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। दाम बढ़ने के साथ ही चीजों की किल्लत भी होने लगी है और अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने खबरें दी हैं कि दुकानों के बाहर लंबी लाइनें दिखाई पड़ रही हैं। किल्लत की सबसे बड़ी वजह है कि श्रीलंका अपनी जरूरत का ज्यादातर सामान आयात करता है और इस वक्त उसके पास आयात के लिए विदेशी मुद्रा काफी कम होती जा रही है। नवंबर 2019 में जब राजपक्षे सरकार बनी थी, तब देश के पास करीब 7.5 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था, इस साल जुलाई के अंत तक यह गिरकर सिर्फ 2.8 अरब डॉलर रह गया और उसके बाद भी देश से पैसा निकलने का सिलसिला जारी ही है। इस सरकार के दौरान श्रीलंका की मुद्रा की कीमत लगभग 20 फीसदी गिर चुकी है। कोढ़ में खाज यह है कि दुनिया भर के बाजारों में कमॉडिटी की कीमतें उछाल पर हैं। इसी का नतीजा है कि देश के निजी बैंकों ने कह दिया कि आयातकों को देने के लिए अब उनके पास डॉलर नहीं बचे हैं। और अब पिछले दो हफ्तों से तो सरकारी अफसर अनाज और चीनी के गोदामों पर छापे मारकर उनके स्टॉक भी जब्त करने लगे हैं। खबर है कि अब तक हजार से ज्यादा छापे मारे जा चुके हैं। साथ ही राशन के दाम भी तय किए जा रहे हैं। और मंगलवार को तो राष्ट्रपति राजपक्षे ने बाकायदा आवश्यक वस्तुओं के दामों पर नियंत्रण का आदेश जारी कर दिया। यह संकट कोरोना के साथ ही आया था। अब भी 2.1 करोड़ की आबादी वाले इस देश में हर रोज करीब 200 कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। अभी देश में 16 दिन का कोरोना कर्फ्यू लगा हुआ है, जो आज ही खत्म होना था। कोरोना काल में ही देश से निर्यात पर भी बहुत बुरा असर पड़ा। हालांकि, जुलाई के महीने में देश से निर्यात कोरोना से पहले की हालत में पहुंच चुका था, लेकिन करेंसी की गिरती कीमत की वजह से उसका भी पूरा फायदा नहीं मिल सकता। दूसरी तरफ, विदेश से आ रहे सामान का बिल भरना भी बड़ी मुश्किल है। इसीलिए कोरोना संकट शुरू होने के साथ ही ज्यादातर गैर-जरूरी चीजों और कुछ खाने-पीने की चीजों के भी आयात पर पाबंदी लगी हुई है। हाल ही में सरकार के एक मंत्री ने अपील की है कि लोग तेल बचाने के लिए गाड़ियां कम चलाएं। संकट सिर्फ इतना नहीं है कि श्रीलंका पर कर्ज का भारी बोझ भी है और मूडीज की तरफ से उस पर नजर रखी जा रही है। मूडीज का अनुमान है कि अगले चार-पांच साल तक सिर्फ कर्ज और ब्याज भरने के लिए ही श्रीलंका को हर साल चार से पांच अरब डॉलर की जरूरत पड़ेगी, और उसे आशंका है कि इसमें कहीं वह चूक भी सकता है। ऐसी हालत में पड़ोसी देशों से श्रीलंका को काफी राहत मिली है। इतिहास में पहली बार बांग्लादेश ने श्रीलंका की आर्थिक मदद की है, अपने विदेशी मुद्रा भंडार से उसे करेंसी देकर। इससे पहले दक्षिण कोरिया और चीन से श्रीलंका 50-50 करोड़ डॉलर का कर्ज ले चुका है। और चीन के सेंट्रल बैंक ने उसके साथ डेढ़ अरब डॉलर का वैसा ही करेंसी स्वैप समझौता किया हुआ है, जैसा बांग्लादेश ने किया। श्रीलंका ने जून में भारत से भी 10 करोड़ डॉलर कर्ज लिया, और साथ ही अगस्त में उसे भारतीय रिजर्व बैंक से मिलने वाले 40 करोड़ डॉलर के करेंसी स्वैप के साथ ही भारत से इसी तरह एक अरब डॉलर और देने की मांग की है। श्रीलंका गहरी मुसीबत में है और किसी भी अच्छे पड़ोसी की तरह भारत को इस वक्त उसकी मदद करनी ही चाहिए। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि अगर भारत की तरफ से हीला-हवाली हुई, तो चीन मौके का फायदा उठाने के लिए तैयार बैठा है। और साथ ही यह भी ध्यान रहे कि जल्द ही अफगानिस्तान और पाकिस्तान से भी इसी तरह के खाद्य संकट की खबरें आ सकती हैं। तब क्या करना होगा, इसकी तैयारी वक्त रहते की जाए, तो

आप एक हाथ से ताली नहीं बजा सकते, सिर्फ चुटकी बजा सकते हैं

हमने पिछले हफ्ते पैरालिंपिक खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन अपने मोबाइल पर देखे। इसी बीच एक और वीडियो वायरल हुआ, जिसने मेरा ध्यान खींचा। यह वीडियो था उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के बहरामपुर इलाके की संध्या साहनी का। इस वीडियो में कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा और एक कारपेंटर की बेटी, 15 वर्षीय संध्या घर से स्कूल पहुंचने के लिए राप्ती नदी की डरावनी लहरों में 800 मीटर तक नाव चलाती दिख रही है। वह रोज ऐसे ही स्कूल जा रही है। उसका घर बाढ़ में डूबा हुआ है, इसलिए परिवार प्लास्टिक शीट के नीचे, छत पर रहने मजबूर है। सिर्फ उसका ही नहीं, कई घर डूबे हैं और लोग छत पर रह रहे हैं। जहां संध्या के साथी अपने माता-पिता की सुरक्षा में रह रहे हैं, वहीं वह राजघाट पहुंचने के लिए परिवार की नाव लेकर निकल जाती है, जैसे कोई शहरी लड़की अपने पिता की कार लेकर निकलती है। संध्या बैंक रोड स्थित अयोध्या दास गर्ल्स इंटर कॉलेज में पढ़ती है और वहां पहुंचने के लिए घाट से टेम्पो में बैठती है। इस लड़की का स्कूल यूनिफॉर्म में नाव चलाते हुए वीडियो वायरल होने पर उसके साहस और पढ़ाई के प्रति समर्पण की चहुंओर सराहना हो रही है। शिक्षक दिवस मनाने के अगले दिन संध्या की कहानी से बेहतर मिसाल क्या हो सकती है। मुझे एक कारण बताएं कि एक छात्र का ऐसा समर्पण किसी शिक्षक को हर हालत में रोज स्कूल पहुंचने के लिए क्यों प्रेरित नहीं करेगा। जब मैंने उसका वीडियो अपने एक शिक्षक मित्र को भेजा तो उन्होंने कहा, 'अगर मेरी कक्षा का एक भी छात्र ऐसा हो जाए तो मैं अपने काम से एक दिन भी छुट्?टी न लूं।' कितनी सच्ची बात है। पिछले हफ्ते शनिवार तक मैं भोपाल के शिक्षण संस्थान, सेज ग्रुप के नए कॉलेज छात्रों के प्री-ओरिएंटेशन कार्यक्रम में सैकड़ों छात्रों को संबोधित करने में व्यस्त रहा। इनमें से कुछ को वैक्सीन लगी थी, कुछ को नहीं क्योंकि वे 18 वर्ष के नहीं हुए थे। ज्यादातर छात्र कोविड के समय में आने-जाने को लेकर चिंतित थे। यकीन मानिए अगर आपमें संध्या जैसी इच्छाशक्ति है तो समस्याओं का समाधान निकाल ही लेंगे। उसने समाधान निकाला क्योंकि उसने पहले ही जिंदगी का लक्ष्य तय कर लिया कि उसे अपने माता-पिता और भाई-बहन को अच्छी जिंदगी देनी है। और वह जानती है कि यह अच्छे से पढ़ाई कर हासिल किया जा सकता है। स्थानीय मीडिया से उसने कहा, 'मेरा स्कूल कोविड-19 लॉकडाउन के कारण लंबे समय से बंद था और अब हम राप्ती नदी में बाढ़ की चुनौती का सामना कर रहे हैं। मैं अपनी कक्षाएं और नहीं छोड़ना चाहती क्योंकि मैं कोई ट्यूशन नहीं लेती। मैं पढ़ाई के लिए पूरी तरह स्कूल पर निर्भर हूं।' संध्या सरोजिनी नायडू, इंदिरा गांधी, कल्पना चावला और पीटी ऊषा जैसी महिलाओं से प्रेरित है। अगर आपकी कोई महत्वाकांक्षा या इच्छा है और वह पूरी नहीं हो रही तो उसका सबसे पहला कारण होगा कि आपके मन में उसके प्रति दुविधा है। यानी आपको उस चीज की इच्छा है भी और नहीं भी। इसलिए या तो इच्छा छोड़ दें या उसके खिलाफ सोचना।

कर्नाटक की यात्रा पर निकलेंगे बीएस येदियुरप्पा, आखिर भाजपा आलाकमान को क्या संदेश देना चाहते हैं?

कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद एक बार फिर से बीएस येदियुरप्पा सक्रिय राजनीति में वापसी करने के संकेत दे रहे हैं। यही कारण है कि वह कर्नाटक की यात्रा पर निकलने वाले हैं। भले ही इसे हम एक यात्रा समझे लेकिन विशेषज्ञ इसे साधारण यात्रा नहीं मान रहे। माना जा रहा है कि येदियुरप्पा के इस यात्रा के कई मायने हैं। येदियुरप्पा के इस यात्रा पर भाजपा की भी पैनी नजर रहेगी। सबसे खास बात तो यह है कि यात्रा ऐसे समय में निकल रही है जब बीएस येदुरप्पा के उत्तराधिकारी के रूप में मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने अपनी अलग छाप छोड़ने शुरू कर दी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अपनी इस यात्रा के जरिए येदियुरप्पा आलाकमान को बड़ा संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही साथ वह अब भी अपने अंदर की राजनीतिक सक्रियता को दिखाने के प्रयास में होंगे। येदियुरप्पा मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद छुट्टियों पर चले गए थे। लेकिन वापसी के बाद वह अब वह राज्य की यात्रा पर निकल रहे हैं। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए आलाकमान को येदियुरप्पा को मनाना पड़ा था। येदियुरप्पा को इस्तीफा दिलवाने के लिए आलाकमान के पसीने छूट गए थे। कई शर्तों के बाद आखिरकार येदियुरप्पा ने इस्तीफा दिया। लेकिन माना जा रहा है कि अब तक येदियुरप्पा से जो वायदे किए गए थे उसे पूरा नहीं किया गया है और यही कारण है कि अब वह राज्य के दौरे पर निकल कर भाजपा पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विशेषज्ञ भी मान रहे हैं कि फिलहाल येदियुरप्पा मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई से नाराज नहीं है। बासवराज बोम्मई की गिनती येदुरप्पा के सबसे विश्वसनीय लोगों में से होती है। बासवराज बोम्मई ने भी गंभीरता दिखाते हुए येदियुरप्पा सरकार के कोई भी फैसले को नहीं पलटा। बोम्मई लगातार येदियुरप्पा को अपनी सरकार का अभिभावक भी मानते हैं। बावजूद इसके येदियुरप्पा का कर्नाटक यात्रा अपने आप में कई संकेत दे रहा है। सूत्रों की मानें तो भाजपा

आलाकमान की ओर से येदियुरप्पा को राज्यपाल बनाने का प्रस्ताव दिया गया था लेकिन वह राजी नहीं हुए। भाजपा आलाकमान यह चाहता है कि राज्य में दो-दो पावर सेंटर पार्टी के लिए ठीक नहीं होगा। ऐसे में उन्हें राज्य से दूर करने की कोशिश की गई। इसके लिए खुद येदियुरप्पा के विश्वसनीय बोम्मई को जिम्मेदारी दी गई लेकिन अब तक राज्यपाल बनने के लिए येदियुरप्पा राजी नहीं हुए हैं। भाजपा येदियुरप्पा के इस यात्रा को आम यात्रा की तरह नहीं देख रही है। येदियुरप्पा ने भले ही इसे व्यक्तिगत यात्रा कहां हो लेकिन पार्टी कई मायनों में इसे अहम मान रही है। माना जा रहा है कि इस यात्रा के जरिए येदियुरप्पा सरकार और संगठन दोनों को धर्म संकट में डाल सकते हैं। भाजपा को पुराने दिनों का भी डर सता रहा है। जब 2011 में येदियुरप्पा को इस्तीफा देने के लिए कहा गया था और उन्हें इस्तीफा देना भी पड़ था। उसके बाद वह सहज नहीं थे और बाद में उन्होंने भाजपा से इस्तीफा दे दिया था जिसके

एक नजर

सपनों को लगेंगे पंख, इटली में स्पेस साइंटिस्ट बना पंजाब के खन्ना का कमलप्रीत

लुधियाना। अंतरिक्ष को छूने के सपने के साथ खन्ना जैसे छोटे शहर से इटली पहुंचा कमलप्रीत सिंह स्लैच अब वहां स्पेस साइंटिस्ट बन चुका है। उसने इटली में स्पेस और अस्टरोनाट्स में मास्टर डिग्री पूरी की है। इस डिग्री से कमलप्रीत सिंह स्लैच ने जहां अपने देश व शहर का नाम रोशन किया है, वहीं अपने सपनों को साकार करने के भी बेहद करीब पहुंच चुका है। वह पंजाब का अकेला विद्यार्थी है, जिसने इस विषय में इटली में मास्टर डिग्री की है। खन्ना के कृष्णा नगर में रहने वाले दविंदर सिंह ने बताया कि उनका बेटा कमलप्रीत इटली के शहर रोम में सपैनजा यूनिवर्सिटी का विद्यार्थी है। लड़के की इस प्राप्ति पर उन्हें व कमलप्रीत की मां जतिंदर कौर को रिश्तेदारों व दोस्तों की ओर से बधाई संदेश मिल रहे हैं। कमलप्रीत सिंह ने फोन पर बताया कि वह पहले से ही स्पेस साइंटिस्ट बनकर बड़ी खोजें करने की इच्छा रखता है। एक सपना अंतरिक्ष की उड़ान भरने का भी है। विश्वास है कि यह भी पूरा होगा। इसी कारण उन्होंने स्पेस विषय पर अपनी पढ़ाई पूरी की है। वह चांद पर जाने की इच्छा रखता है, ताकि कोई अलग खोज कर सके। कमलप्रीत सिंह ने बताया कि वह पीएचीडी की पढ़ाई करने के साथ अपने खोज कार्य भी जारी रखेगा। वह नासा की टीम का मेंबर बनने की भी इच्छा रखता है।

पंजाब में कल से तीन दिन तक भारी बारिश की चेतावनी, येलो अलर्ट जारी

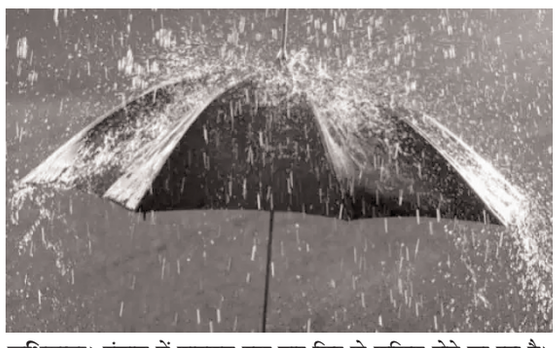

लुधियाना। पंजाब में मानसून एक बार फिर से सक्रिय होने जा रहा है। इसके चलते सोमवार दोपहर से मौसम का मिजाज बदल जायेगा। देर शाम से पँजाब बादलों की गिरफ्त में होगा और मंगलवार से पंजाब में तीन दिनों तक भारी बारिश होगी। यह पूर्वानुमान इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट चंडीगढ़ का है। जिसे लेकर डिपार्टमेंट की और से 7 से 9 सितंबर के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। 10 सितंबर के बाद मौसम साफ होगा पूर्वानुमान के मुताबिक पंजाब के जिलों में तीन दिनों तक भारी बारिश हो सकती है, जबकि कई जिलों में लाइट (हल्की) से मोडरेट (सामान्य) बारिश होगी। पहाड़ी इलाकों के साथ लगते जिलों में अधिक बारिश होगी। इस दौरान तेज हवायें चलने का भी पूर्वानुमान है। 10 सितंबर के बाद मौसम साफ होगा। वहीं लुधियाना में चार दिनों तक रोजाना बादलों के आने से मौसम सुहावना रहा। लेकिन सोमवार को फिर से मौसम के तेवर तल्ख हो गए। सुबह से ही तेज धूप खिल उठी। सुबह 8 बजे के करीब तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। भारी बारिश से धान की फसल को हो सकता है नुकसान कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि भारी बारिश हुई तो धान की फसल को नुकसान हो सकता है। क्योंकि पंजाब के कई जिलों में धान मैच्युरिटी स्टेज में आ चुकी है। वहीं तेज हवा के साथ बारिश हुई तो, इससे काफी नुकसान हो सकता है। हवा से धान की फसलें बिछने की संभावना रहेगी। जबकि अगर हल्की और सामान्य बारिश होती है, तो धान को उतना नुकसान नहीं होगा।

दस हजार रुपये लोन दिलाने के बहाने महिला के नाम पर फाइनेंस करवाईं 3 एक्टिवा, जालंधर में मोटरसाइकिल एजेंसी मैनेजर की करतूत

जालंधर। थाना सिटी नकोदर में एक महिला को 10 हजार का सरकारी लोन दिलाने के नाम पर बाइक एजेंसी के मैनेजर ने तीन साथियों के साथ मिलकर उसके नाम पर 3 एक्टिवा फाइनेंस करा ली। जब महिला को इसकी जानकारी हुई तो मैनेजर ने उससे कहा कि अपना घर और नंबर बदल लो। इसके बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने बाइक एजेंसी के मैनेजर समेत चार पर केस दर्ज कर लिया है। गाड़ी की आरसी घर पहुंचने पर हुई जानकारी सुंदर नगर की मंजू देवी ने बताया कि गुरु नानक पुरा की रहने वाली रणजीत कौर से उसकी पुरानी जान पहचान थी। कोरोनाकाल के दौरान जब उन्हें पैसे की जरूरत हुई तो उन्होंने रणजीत कौर से संपर्क किया। उसने उन्हें सरकारी स्कीम के तहत 10000 का लोन करवाने की बात कही। अगले दिन रणजीत कौर ने कहा कि लोन का इंतजाम हो गया है। इसके लिए आधार कार्ड से जनधन खाता खुलवाना होगा। अनपढ़ होने का उठाया फायदा रणजीत कौर कुछ दिन बाद मंजू को लेकर लांबड़ा स्थित एक बैंक पहुंची और उनका खाता खुलवा दिया। उनके अनपढ़ होने का फायदा उठाकर आरोपितों ने उनसे चेकबुक पर भी अंगूठा लगवा लिया। इसके बाद वह उन्हें लांबड़ा स्थित होंडा एजेंसी में ले गई। वहां पहले से ही एजेंसी का मैनेजर बलविंदर सिंह, फाइनेंस कर्मी राहुल गुगलानी और सनी खड़े थे। इस दौरान उसे एक स्कूटी के सामने खड़ा किया गया और फोटो खींचे गए। विरोध करने पर आरोपितों ने बताया कि सरकारी लोन लेने के लिए ऐसा करना जरूरी है। फोटो खिंचवाने के बाद उन्होंने मंजू देवी को 4.5 हजार रुपए दिए। फिर वे उसे जालंधर बस स्टैंड लेकर आए। यहां पर एक और स्कूटी के सामने खड़ा करके फोटो खींची और 5 हजार रुपये देकर घर भेज दिया। इस दौरान आरोपितों ने उससे जबरन एक फाइल पर अंगूठे भी लगवाए। फिर, उसके मोबाइल का सिम निकाल लिया और उसे एक हफ्ते बाद लौटाया। कुछ दिनों बाद मंजू देवी के घर पर कूरियर के जरिए एक्टिवा के तीन रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट पहुंचे। इसके बाद बैंक के कर्मचारी उनके घर किस्त लेने आने लगे। जब उन्होंने रणजीत कौर से इस बारे में पूछा तो उसने कहा कि अपना सिम कार्ड निकाल कर फेंक दो और कहीं और जाकर रहो। आरोपितों उसके बेटे पंकज को घर से बाहर बुलाकर आरसी मांगी और ना देने पर उसके साथ मारपीट की। उसे जान से मारने की धमकी दी।

पंजाब आप में फिर सीएम फेस को लेकर घमासान, पार्टी तलाश रही बड़ा चेहरा, भगवंत मान समर्थकों के तेवर हुए तीखे

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी में 2017 के विधानसभा चुनाव की तरह इस बार भी सीएम फेस यानि मुख्यमंत्री पद के दावेदार को लेकर घमासान छिड़ता दिख रहा है। आप को पंजाब में सीएम फेस के लिए किसी बड़े चेहरे की तलाश है और इसको लेकर कई नाम चर्चा में हैं। दूसरी ओर, इस मुद्दे पर पंजाब आप के प्रधान भगवंत मान के समर्थकों के तेवर आक्रामक हो गए हैं। आम आदमी पार्टी में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का ऐलान करने को लेकर भगवंत मान के पक्ष में आवाजें उठने लगी हैं। इसके साथ ही साफ संकेत मिल रहे हैं कि निकट भविष्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी में बगावती सुरें तेज हो सकती हैं। दरअसल पार्टी हाई कमान भगवंत मान को पार्टी का उम्मीदवार घोषित नहीं करना चाहती और किसी और पार्टी या सामाजिक संगठन से बड़े चेहरे की तलाश में है। दूसरी ओर, पंजाब आप के एक बड़े धड़े का कहना है कि पिछले सात सालों से पार्टी में सबसे सक्रिय रहने वाले भगवंत मान को दरकिनार किया जा रहा है। भगवंत मान से जुड़े पार्टी के वालंटियर उनको दरकिनार किए जाने से नाराज हैं। आज राज्य के विभिन्न से पैदल यात्रा निकालते हुए पार्टी के वालंटियर विपक्ष के नेता आवास पर चंडीगढ़ में पहुंचे। यह पार्टी का अधिकारिक दफ्तर भी है। उन्होंने विपक्ष के नेता हरपाल चीमा को ज्ञापन भी दिया जिसमें उनसे मांग की गई कि वह पार्टी हाई कमान से भगवंत मान को मुख्यमंत्री का

उम्मीदवार बनाने के लिए दबाव बनाएं। पिछले कई दिनों से पंजाब के विभिन्न हिस्सों में भगवंत मान को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार ऐलान किए जाने की आवाजें उठ रही हैं, दूसरी ओर कहा जा रहा है कि पार्टी हाईकमान ऐसा नहीं चाहता। इसीलिए मान ने पिछले कई दिनों से राज्य में राजनीतिक गतिविधियों को कम कर दिया है। हालांकि उनके एक निकटवर्ती सूत्र का कहना है कि मान ने अपनी गतिविधियां कम नहीं की हैं वह लोकसभा की एक कमेटी के सदस्य हैं जो इन दिनों टूर पर थी जिस कारण वह उसमें व्यस्त थे। आज विपक्ष के नेता चीमा के आवास पर पहुंचे वालंटियरों ने कहा कि जब पार्टी के पास भगवंत मान जैसा सशक्त उम्मीदवार मौजूद है तो हम दूसरी पार्टियों में मुख्यमंत्री क्यों खोज रहे हैं। यही गलती हमने 2017 में भी की थी। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल देश के प्रधानमंत्री के रूप में अच्छे उम्मीदवार हो सकते हैं लेकिन 2022 के चुनाव में पंजाब में मुख्यमंत्री लोग भगवंत को ही देखना चाहते हैं। पार्टी के एक सीनियर विधायक ने भी लगभग इसी तरह की राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह ठीक है कि भगवंत पार्टी में ही बहुत को नाराज करके बैठे हैं लेकिन उनके बिना भी बात नहीं बनेगी। दूसरी ओर, भगवंत मान के विरोधी नेताओं का कहना है कि बेशक लोगों में सक्रिय हों लेकिन उनमें असुरक्षा की भावना भी बहुत ज्यादा है। वह किसी भी ऐसे व्यक्ति को पार्टी में आने देना नहीं चाहते जिससे उनको खतरा हो। इन नेताओं का कहना है कि पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व मनप्रीत सिंह बादल, नवजोत सिंह सिद्धू , परगट सिंह जैसे नेताओं के साथ पार्टी लीडरशिप की बात चली लेकिन भगवंत मान के कारण कोई पार्टी में नहीं आ सका।

रोडवेजकर्मियों की हड़ताल से यात्री होंगे परेशान, जानें और क्या है खास

जालंधर। जालंधर में आज क्या खास है। कहां किस समय सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक कार्यक्रम होंगे। कौन बड़ी शख्सियत आज शहर में होगी, इस सबकी जानकारी रोजाना आपको जागरण डाट काम पर मिलेगी। आइए, नजर डालते हैं आज सोमवार, 6 सितंबर को नगर में आज क्या-क्या, कहां-कहां है। रोडवेजकर्मियों की हड़ताल से यात्री रहेंगे परेशान पंजाब रोडवेज, पनबस व पेप्सू रोड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (पीआरटीसी) के कांट्रैक्ट वर्कर्स की बेमियादी हड़ताल सोमवार से शुरू हो रही है लेकिन इसका असर रविवार को भी दिखा। लांग रूट की कई बसों को नहीं चलाया गया जबकि कुछ के रूट सीमित कर दिए गए ताकि शाम ढलने तक बस वापस डिपो में पहुंच जाए। हड़ताल के चलते यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज होगी शहर के विकास पर चर्चा शहर के विकास को लेकर एफएंडसीसी की बैठक बुधवार को दोपहर 3.30 बजे निगम के कांफ्रेंस हाल में होगी। जिसमें शहर के विकास व करने तथा पहले से चल रहे प्रोजेक्टों को लेकर चर्चा की जाएगी। इस बैठक में मेयर जगदीश राज राजा व निगम कमिश्नर करुणेश शर्मा सहित निगम के कई अधिकारी शामिल होंगे। - वैक्सीन कैंप - अपाहिज आश्रम में वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन सुबह 9 बजे से होगा। वहीं सिविल अस्पताल में भी कैंप का आयोजन सुबह 9 बजे से होगा। इस दौरान लोगों को कोरोना को लेकर जागरूक किया जाएगा। सरकारी हेल्थ सेंटर गढ़ा में फ्री वैक्सीन कैंप सुबह 9 बजे से लगाया जाएगा। देश भगत यादगार हाल में एग्जीबिशन सुबह 11 बजे शुरू होगी। इस दौरान विभिन्न राज्यों से आए व्यापारी 70 तरह के स्टाल लगाएंगें। जहां से तमाम तरह की खरीदारी की जा सकती है। वहीं प्राचीन हनुमान मंदिर हवन यज्ञ भजन संध्या शाम 7 बजे से शुरू होगी।

पंजाब के बागी मंत्री करते रहे इंतजार, सीएम कैप्टन अमरिंदर मंत्री ने अभी नहीं दिया मिलने का समय

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पर अविश्वास जताने वाले कैबिनेट मंत्री तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा को इंतजार है कि मुख्यमंत्री उन्हें कब मिलने के लिए समय देते हैं। दोनों ही मंत्री बटाला को जिला बनाने को लेकर मुख्यमंत्री से मिलना चाहते हैं, लेकिन सीएम ने अभी तक इन्हें समय नहीं दिया है। वहीं, सोमवार को सबकी नजरें मुख्यमंत्री कार्यालय पर लगी हुई थी कि क्या मुख्यमंत्री दोनों ही मंत्रियों को मिलने के लिए समय देते हैं या नहीं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि अगर मुख्यमंत्री दोनों ही मंत्रियों को मिलने के लिए बुलाते हैं तो उससे कई नए राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। क्योंकि, चार कैबिनेट मंत्रियों बाजवा, रंधावा, सुखबिंदर सिंह सरकारिया और चरणजीत सिंह चन्नी ने मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पर अविश्वास प्रकट किया था। यह चारों ही मंत्री कैप्टन खेमे से टूट कर नवजोत सिंह सिद्धू के साथ जुड़े हुए हैं। वहीं, चारों ही मंत्री मुख्यमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रकट करके अपना अंतिम राजनीतिक ब्रह्मास्त्र चला चुके हैं, लेकिन इस पर पार्टी हाईकमान ने भी कोई खास संज्ञान नहीं लिया। पार्टी के सूत्र बताते हैं कि बाजवा और रंधावा इसलिए भी बटाला को जिला बनाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मिलना चाहते हैं ताकि वह प्रताप सिंह बाजवा के हाथों से मुद्दा छीन सकें। क्योंकि प्रताप सिंह बाजवा मुख्यमंत्री पर बटाला को जिला बनाने को लेकर दबाव बना रहे हैं। कांग्रेस के अंतर्कलह के बीच प्रताप सिंह बाजवा मुख्यमंत्री के काफी करीब आ गए हैं। बाजवा बटाला से चुनाव लड़ना चाहते हैं। इसी सीट पर तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा की भी नजरें हैं। ऐसे में अगर मुख्यमंत्री बटाला को जिला बनाने का फैसला लेते हैं और इसका श्रेय प्रताप सिंह बाजवा को जाता है तो तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा की दावेदारी

फिल्म सुफना के गीत में रसूल शब्द पर विवाद के बाद अभिनेता एमी विर्क ने लुधियाना में मांगी माफी

लुधियाना। फिल्म सुफना के गीत कबूल है में रसूल शब्द का इस्तेमाल करने के बाद फिल्म के हीरो एमी विर्क व लेखक जानी विवादों में घिर गए थे। एक लड़की जसनूर ने रसूल शब्द पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि इससे मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं, इसलिए एमी विर्क व जानी माफी मांगें। जसनूर ने इसकी शिकायत जामा मस्जिद लुधियाना के नायब शाही इमाम मौलाना उस्मान लुधियानवी से की थी। अब एमी विर्क व जानी ने नायब शाही इमाम से मुलाकात कर इस गलती के लिए माफी मांगकर विवाद को खत्म कर दिया है। बता दें, मामले को लेकर मालेरकोटला, पटियाला व जालंधर में भी मुस्लिम समाज द्वारा रोष प्रदर्शन किया गया था। मामले में आज एमी विर्क, लेखक जानी व पिंकी धालीवाल नायब शाही इमाम से मिले। स्पष्ट किया कि सुफना फिल्म के गाने कबूल है में रसूल शब्द का इस्तेमाल अनजाने में हो गया। उन्होंने कहा कि उनकी व फिल्म टीम की किसी की धार्मिक भावनाएं आहत करने की कोई मंशा नहीं थी। जानी ने कहा कि वह अल्लाह ताआला व रसूल-ए-खुदा हजरत मुहम्मद साहिब सल्लल्लाहु अलैही वसल्लम का दिल से सम्मान करते हैं और सभी धर्म उनके लिए सम्मानीय हैं। इस मौके पर नायब शाही इमाम मौलाना मुहम्मद उसमान रहमानी लुधियानवी ने कहा कि फिल्म की टीम का अपनी गलती मान लेना सही कदम है। माफ करने वाली जात रब की है। अल्लाह ताआला और प्यारे रसूल हजरत मुहम्मद साहिब माफी को पसंद करते है। उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ शरीयत और सामाजिक तौर पर इन दोनों ने अपनी गलती मानते हुए भविष्य में इन बातों का खास ध्यान रखने का वादा किया है, इसलिए अब इस मामले को खत्म समझा जाए। नायब शाही इमाम ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है।

अनेकता में एकता हमारी शान है। हम सबको चाहिए कि एक-दूसरे के धर्म व आत्मसम्मान का ख्याल रखें।

उन्होंने कहा कि पंजाब को सदियों से यह मान प्राप्त है। पंजाब की धरती पर दुनियाभर में रोशनी करने वाले महान गुरु साहिबान, पीर पैंगबर व ऋषि मुनि हुए हैं। हमें हमेशा ही इस बात को याद रखना चाहिए।

पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए BJP की खास रणनीति, हिंदू व दलित बहुल 73 सीटों पर फोकस करेगी पार्टी

चंडीगढ़। कृषि कानूनों को लेकर भले ही भारतीय जनता पार्टी किसानों के निशाने पर हो, लेकिन पंजाब में वर्ष 2022 को लेकर भाजपा ने उन सीटों को चिन्हित किया है जहां पर हिंदू और दलित आबादी 60 फीसद से अधिक है। भाजपा यह मान रही है कि 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले अगर कृषि कानूनों को लेकर केंद्र सरकार कोई बदलाव नहीं करती है तो उन्हें इन्हीं परिस्थितियों में चुनाव मैदान में उतरना पड़ेगा। ऐसे में उसने अपना फोकस 73 ऐसी सीटों पर फोकस करना शुरू कर दिया है, जहां पर हिंदू और दलित की आबादी अधिक है। पार्टी का मानना है कि इन सीटों पर फोकस करके वह विधानसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर कर सकती है। भाजपा की नजर उन 45 सीटों पर है, जहां पर हिंदू आबादी 60 फीसद से अधिक है और इन पर किसान आंदोलन का कोई खास असर नहीं है। उलटा यहां की आबादी किसान आंदोलन की वजह से उत्पन्न हुए हालातों से नाराज भी है, जबकि 28 ऐसी सीटें है जहां पर हिंदू और दलित की आबादी 60 फीसद से अधिक है। भाजपा दलित बहुल सीटों को लेकर

इसलिए भी उत्साहित है क्योंकि जब से पार्टी ने दलित मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की है तब से दलित समाज में भाजपा के प्रति झुकाव देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में दलित नेता व दलित समाज भाजपा से जुड़ रहा है। यही कारण है कि भाजपा ने 28 ऐसी सीटों पर फोकस करना शुरू किया है। भाजपा की परेशानी यह है कि किसान संगठनों के विरोध के कारण पार्टी ग्रामीण सीटों पर अपना जनसंपर्क नहीं कर पा रही है। वहीं, अकाली दल के साथ गठबंधन टूटने के बाद भाजपा दो दशक से ज्यादा समय के बाद अकेले दल में चुनाव लड़ने जा रही है। गठबंधन में रहते हुए भाजपा 23 सीटों पर ही चुनाव लड़ती रही है। जब अकाली दल के साथ जब भाजपा का गठबंधन था तो शहरी क्षेत्रों को भाजपा और ग्रामीण क्षेत्रों को अकाली दल संभालती थी। ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा का पहले ही जनाधार कम था और किसान आंदोलन के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा का विरोध भी ज्यादा है। भाजपा अपने दम पर सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने का दम तो भर रही है, लेकिन पार्टी को पता है कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्याशी खड़ा करना उनके लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होने वाला है। यही कारण है कि भाजपा ने अब हिंदू और दलित बाहुल क्षेत्रों पर फोकस करने का फैसला लिया है। वर्तमान में कांग्रेस के अंतर मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह के बीच चल रही वर्चस्व की लड़ाई, आम आदमी पार्टी में मुख्यमंत्री के चेहरों को लेकर खींचतान चल रही है, जबकि कृषि कानूनों का पहले समर्थन करने को लेकर किसान अकाली दल का भी विरोध कर रहे है। 2022 को लेकर स्पष्ट तस्वीर नहीं बनने को लेकर भाजपा मान रही है कि अगर सीमित सीटों पर फोकस किया जाए तो वह विधानसभा चुनाव में शानदार ढंग से अपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकती है।

पीएयू में शिक्षकों ने दो घंटे किया प्रदर्शन, यूजीसी पे स्केल लागू करने की उठाई मांग

लुधियाना। यूजीसी पे स्केल को लागू करने की मांग को लेकर पंजाब कृषि विश्वविद्यालय टीचर्स एसोसिएशन ने मोर्चा खोल दिया है। एसोसिएशन के नेतृत्व में सोमवार को बड़ी संख्या में शिक्षकों ने थापर हाल के बाहर दो घंटे धरना दिया। धरने में शामिल शिक्षकों का कहना था कि एक तो पंजाब सरकार यूजीसी के सातवें पे कमीशन को लागू न करके शिक्षकों के साथ अन्याय कर कर रही है, वहीं दूसरी तरफ वेतनमान को डी-लिंक करने का फैसला लेकर शिक्षकों को कई तरह से नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि डी-लिंक के फैसले से शिक्षकों की प्रमोशन प्रभावित होगी। दूसरे राज्यों में लागू हो चुके हैं यूजीसी के वेतनमान वहीं पंजाब के टीचरों का स्टेटस भी दूसरे राज्यों के टीचर्स से कम हो जाएगा। इसके साथ ही डिललिंक करने से सेंट्रल रिसर्च ग्रांट और फाइनेंशियल एड पर पड़ेगा। धरने के दौरान एसोसिएशन के प्रेजिडेंट डॉ. हरमीत सिंह किंगरा, डॉ. एसएस संघा ने कहा कि जब देश के दूसरे राज्यों में

यूजीसी के वेतनमान लागू हो सकते हैं, तो पंजाब में क्यों लागू नहीं किये जा रहे। यूनिवर्सिटी में रोजाना तीन घंटे के लिए किया जाएगा धरना प्रदर्शन डॉ. किंगरा ने कहा कि उनकी सरकार से मांग है कि यूजीसी पे स्केल लागू किये जायें और वेतनमान को डी-लिंक करने का फैसला वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी दोनों मांगे पूरी नहीं होती, तब तक यूनिवर्सिटी में रोजाना तीन घंटे के लिए धरना प्रदर्शन किया जाएगा।।इस दौरान क्लासेज, रिसर्च वर्क और मीटिंग का बायकॉट रहेगा।

पंजाब कांग्रेस में नया विवाद, नवजोत सिद्धू के सलाहकार गर्ग बोले- कांग्रेस ने खेला धर्म का कार्ड , विधानसभा का विशेष सत्र गलत

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में नया विवाद शुरू हो गया है। पंजाब कांगेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकार डा. प्यारा लाल गर्ग ने एक बार फिर विवाद बयान से पार्टी के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। गर्ग ने श्री गुरु तेग बहादुर को समर्पित पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र पर सवाल उठा दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संवधान के माध्यम से धर्म कार्ड खेला है। इससे नया विवाद पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक दिन के विशेष सत्र के लिए व्हिप जारी करके न सिर्फ लोकतंत्र का अपमान किया है, बल्कि धार्मिक कट्टरवाद को संविधान के जरिये बढ़ावा दिया है। डा. प्यारा लाल गर्ग ने पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र पर उठाया सवाल डा. गर्ग ने एक पोर्टल पर चर्चा करते हुए कहा कि पंजाब सरकार को विधानसभा का सत्र बुलाना ही था, क्योंकि यह उनकी संवैधानिक मजबूरी थी, लेकिन व्हिप जारी करके कांग्रेस ने विधायकों की धार्मिक आजादी को छीन लिया। गुरु तेग बहादुर जी ने धार्मिक आजादी

के लिए कुर्बानी दी थी। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने संविधान के माध्यम से धर्म का कार्ड खेला, जबकि कांग्रेस खुद को धर्मनिरपेक्ष पार्टी बताती है। आज कांग्रेस ने ऐसा किया है तो कल आरएसएस वाले भी ऐसा कर सकते है। फिर उन्हें कैसे गलत ठहराया जा सकता है। संविधान में धार्मिक विचारों की आजादी की बात कही गई है। कहा- विधानसभा को धर्म से दूर रहना चाहिए, व्हिप जारी करना गलत डा. गर्ग ने कहा कि विधानसभा को धर्म से दूर रहना चाहिए। अगर कोई विशेष आयोजन है भी तो उसके लिए व्हिप जारी नहीं करना चाहिए। क्योंकि, कई विधायक अपने मत को उजागर नहीं करना चाहते। अगर सदन को धार्मिक काम के लिए प्रयोग किया जाने लगा तो धर्मनिरपेक्षता कहां रह जाएगी। वहीं, किसान आंदोलन पर उन्होंने कहा कि पहले भारतीय जनता पार्टी कहा करती थी कि उन्हें जो घेर रहे हैं वे किसान नहीं हैं। अब शिरोमणि अकाली दल ने भी कहना शुरू कर दिया है। कुछ समय बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह भी ऐसा कहने लगेंगे। इससे पहले भी डा. गर्ग ने मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा पाकिस्तान की आलोचना को गलत बताया था। उन्होंने कहा था कि इससे पंजाब को नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व अमित शाह से मिले हुए हैं। इस पर भी काफी विवाद हुआ था। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के एक अन्य सलाहकार मालविंदर सिंह माली को विवादित टिप्पणियों के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने कहा था कि कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। उन्होंने कश्मीर को अलग देश बताया था। वहीं, उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गांधी से जुड़े एक विवादित पोस्टर को अपने फेसबुक पेज का कवर फोटो बना दिया था। इस पर उनका कांग्रेस में ही काफी विरोध हुआ था। सिद्धू के सलाहकारों के कारण कांग्रेस को नुकसान हो रहा है। चुनाव को छह माह से भी कम समय रह गया है और कांग्रेस अपने आंतरिक मसलों में ही उलझी हुई है। शिरोमणि अकाली दल के प्रवक्ता डा. दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि व्हिप जारी करना सरासर गलत है। इसका मतलब साफ है कि कांग्रेस के विधायक श्रद्धा के साथ सदन में नहीं आना चाहते थे। वह केवल रस्म निभा रहे हैं। वहीं, आप के विधायक दल के नेता हरपाल सिं चीमा ने कहा कि व्हिप सरकार की राजनीति मजबूरी थी। सरकार को पता था कि अगर बात फ्लोर टेस्ट की आ गई तो कहीं विपक्ष उन पर हावी न हो जाए। कांग्रेस ने राजनीतिक मजबूरी में ऐसा किया था।

ओवल में भारत ने रचा इतिहास, इंग्लैंड को 157 रनों से हराया, सीरीज में 2-1 से आगे

भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को चौथे टेस्ट मैच में 157 रनों से हरा दिया है। लंदन के द ओवल में खेले गए इस मुकाबले में रोहित शर्मा की शानदार शतक के बाद भारत ने इंग्लैंड के सामने 368 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था। इंग्लिश टीम महज 210 रनों पर ही ऑल आउट हो गई। इस जीत के साथ ही पांच मैचों की सीरीज में भारत 2-1 की बढ़त हासिल कर चुका है। भारत को ओवल के मैदान पर टेस्ट मैच जीतने के लिए 50 वर्षों का लंबा इंतजार करना पड़ा है। इतिहास के पन्नों को पलटें तो सन 1971 में अजीत वाडकर की कप्तानी में भारत ने ओवल में टेस्ट मैच जीता था। इस मैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड ने भारत को बल्लेबाजी के लिए न्योता दिया था। गेंदबाजों ने कप्तान जो रूठ के फैसले को सही साबित किया और पहली पारी में भारत 191 रनों पर समेट दिया। भारत की ओर से सबसे ज्यादा शार्दुल ठाकुर ने 57 रन बनाए थे जबकि कप्तान कोहली ने 50 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली थी। इंग्लैंड की पहली पारी में शुरुआत खराब रही थी 5 विकेट जल्दी जल्दी गिर जाने के बाद इंग्लैंड 200 के पार पहुंचा था। उमेश यादव और जसप्रीत बुमराह की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने चौथे क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को यहां इंग्लैंड को 157 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बनाई। उमेश यादव (60 रन पर तीन विकेट), बुमराह (27 रन पर दो विकेट), शार्दुल ठाकुर (22 रन पर दो विकेट) और रविंद्र जडेजा (50 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड की टीम 'द ओवल' पर 368 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 92.2 ओवर में 210 रन पर ढेर हो गई। इंग्लैंड को सलामी बल्लेबाजों हसीब हमीद (62) और रोरी बर्न्स (50) ने पहले विकेट के लिए 100 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद भारतीय गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला।

इन दोनों के अलावा बेहतरीन फॉर्म में चल रहे कप्तान जो रूट (36) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। भारत ने इस तरह पहली पारी में 191 रन पर सिमटने के बाद जोरदार वापसी की। इंग्लैंड ने पहली पारी में 290 रन बनाकर 99 रन की बढ़त हासिल की थी। भारत ने इसके

बाद दूसरी पारी में 466 रन का स्कोर खड़ा किया था। नॉटिंघम में पहला टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद भारत ने लार्ड्स में दूसरा टेस्ट जीता था जबकि इंग्लैंड ने हैडिंग्ले में तीसरा टेस्ट जीतकर श्रृंखला में बराबरी हासिल की थी। पांचवां और अंतिम टेस्ट मैनचेस्टर में 10 सितंबर से खेला जाएगा। इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में 27 ओवर में दो विकेट गंवाकर 54 रन बनाए जबकि दूसरे सत्र में 25.1 ओवर में 62 रन पर छह विकेट चटकाकर भारत ने जीत लगभग सुनिश्चित की। जडेजा ने दूसरे सत्र में भारत को शानदार शुरुआत दिलाई जब उन्होंने सत्र के तीसरे ओवर में ही हमीद को बोल्ड कर दिया। हमीद ने लेग स्टंप पर पिच हुई गेंद को खेलने का अधिक प्रयास नहीं किया जिसने टर्न लेते हुए उनका आफ स्टंप उखाड़ दिया। हमीद ने 193 गेंद की अपनी पारी में छह चौके जड़े। बुमराह इसके बाद तेजी से अंदर आती गेंद पर ओली पोप (02) को बोल्ड करके टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 100 विकेट पूरे करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज बने। बुमराह ने अपने 24वें टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल करते हुए पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव को पीछे छोड़ा जिन्होंने 25 टेस्ट में यह आंकड़ा छुआ था। बुमराह ने अपने अगले ओवर में जॉनी बेयारस्टो (00) भी यॉर्कर पर बोल्ड किया। अगले ओवर में जडेजा ने मोईन अली (00) को स्थानापन्न खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव के हाथों शॉर्ट लेग पर कैच कराके इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर 141 रन से छह विकेट पर 147 रन किया। रूट और क्रिस वोक्स ने इसके बाद 12 से अधिक ओवर तक भारतीय गेंदबाजों को सफलता हासिल नहीं करने दी। कोहली ने 80 ओवर के बाद नई गेंद नहीं लेने का फैसला किया और पुरानी गेंद ठाकुर को थमा दी। स्पैल में वापसी कर रहे ठाकुर की पहली गेंद को ही रूट विकेट पर खेल गए। रूट ने 78 गेंद में तीन चौकों की मदद से 36 रन बनाए।

अजिंक्य रहाणे ने बुमराह की गेंद पर क्रेग ओवरटन का कैच टपकाया लेकिन उमेश ने चाय से पहले अंतिम ओवर के लिए स्पैल में वापसी करते हुए पहली ही गेंद पर वोक्स (18) को शॉर्ट मिडविकेट पर लोकेश राहुल के हाथों कैच करा दिया। अंतिम सत्र में उमेश ने क्रेग ओवरटन (10) को बोल्ड किया। उमेश की गेंद ओवरटन की कोहनी से टकराकर विकेटों में समा गई। उमेश ने इसके बाद जेम्स एंडरसन (02) को पंत के हाथों कैच कराके भारत की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत बिना विकेट खोए 77 रन से की। उमेश और बुमराह की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने भारत के आक्रमण की शुरुआत की। हमीद और बर्न्स ने पहले आधे घंटे में भारतीय गेंदबाजों को सफलता से महरूम रखा। दोनों बल्लेबाजों ने सतर्क होकर बल्लेबाजी की लेकिन खराब गेंद को सबक भी सिखाया। बर्न्स ने उमेश पर दो चौके जड़े। कप्तान विराट कोहली ने इसके बाद गेंद शार्दुल ठाकुर को थमाई और बर्न्स ने उन पर चौका और फिर दो रन के साथ 124 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और साथ ही टीम का स्कोर 100 रन तक पहुंचाया। बर्न्स हालांकि ठाकुर की अगली गेंद पर विकेटकीपर ऋषभ पंत को कैच देकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने 125 गेंद में पांच चौकों की मदद से 50 रन बनाए। हमीद ने भी रविंद्र जडेजा की गेंद पर तीन रन के साथ 123 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। हमीद 55 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जबकि जडेजा की गेंद पर मिड आन पर मोहम्मद सिराज ने उनका आसान कैच टपका दिया। डेविड मलान को हालांकि क्रीज पर जूझना पड़ रहा था और वह अंतत पांच रन बनाकर रन आउट हो गए। हमीद ने जडेजा की गेंद को कवर में खेला और एक रन के लिए दौड़ पड़े। मलान के क्रीज पर पहुंचने से पहले ही पंत ने मयंक अग्रवाल के सटीक थ्रो पर स्टंप उखाड़ दिए।

लुकाकू ने 100वें इंटरनेशनल मैच में गोल किया, बेल्जियम ने चेक को हराया

नई दिल्ली । रोमेलू लुकाकू ने अपने 100वें इंटरनेशनल मैच का जश्न गोल के साथ मनाया जबकि बेल्जियम ने विश्व कप फुटबॉल ग्रुप ई के क्वालीफायर मैच में चेक गणराज्य को 3-0 से हराकर छह अंक की बढ़त बना ली। इससे पहले जेरेथ बेल की हैट्रिक के दम पर वेल्स ने बेलारूस को 3-2 से हराया। बेल्जियम को अब अगले मैच में बेलारूस से खेलना है जबकि वेल्स का सामना एस्तोनिया से होगा। लुकाकू ने खेल के आठवें मिनट में गोल किया जो उनका 67वां इंटरनेशनल गोल है। इडेन हाजार्ड ने हाफटाइम से पहले बढ़त दुगुनी कर दी जबकि एलेक्सिस एस ने 65वें मिनट में तीसरा गोल दागा। बेल्जियम अब 13 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि दूसरे स्थान पर चेक टीम के सात अंक है। इस बीच, गिनी में सैनिक तख्तापलट के कारण वहां होने वाला विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर मैच स्थगित कर दिया गया है जबकि मोरक्को की टीम सुरक्षित तरीके से इस पश्चिम अफ्रीकी देश से नि.कलने में कामयाब रही है। गिनी और मोरक्को के बीच सोमवार को कोनाक्री में ग्रुप आई का मैच होना था। मैच से एक दिन पहले हालांकि राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को सैनिकों ने बंदी बना लिया। राजधानी कोनाक्री में राष्ट्रपति भवन के पास सैनिकों द्वारा भारी गोलीबारी की खबर सामने आई है। यहां सेना के विद्रोही गुट ने सरकार को हटाकर तख्तापलट करते हुए सरकार भंग कर दी है। साथ ही देश की सीमाओं को भी सील कर दिया गया है। मोरक्को की टीम को हालांकि निकलने की अनुमति दे दी गई थी। अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ ने एक बयान में कहा, गिनी में राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति अस्थिर है। खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों की सुरक्षा के लिए यह मैच स्थगित कर दिया गया है। फीफा और सीएएफ हालात पर नजर रखे हुए हैं। अफ्रीकी क्वालीफायर में रविवार को तीन मैच हुए। इसमें ग्रुप एफ के मैच में मिस्र ने गाबोन से 1-1 से ड्रॉ खेला हालांकि मोहम्मद सालाह ने इस मैच में वापसी की। वह स्वदेश में पहला मैच नहीं खेल सके थे क्योंकि लिवरपूल ने वापसी पर दस दिन के पृथकवास के कारण उन्हें छोड़ने से इनकार कर दिया था। मिस्र ब्रिटेन की रेडलिस्ट वाले देशों में से है लेकिन गाबोन नहीं है।

अजिंक्य रहाणे की खराब फॉर्म नहीं बल्कि इस वजह से रविंद्र जडेजा को मिला बैटिंग ऑर्डर में प्रमोशन

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच लंदन के द ओवल में खेले जा रहे पांच मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को बैटिंग ऑर्डर में प्रमोशन मिला है। जडेजा को इस मैच की दोनों पारियों में अजिंक्य रहाणे से पहले बैटिंग करने के लिए भेजा गया। जडेजा तीसरा विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी के लिए आए, जबकि रहाणे को उनके बाद बैटिंग करने के लिए भेजा गया। कुछ क्रिकेट पंडितों का मानना था कि यह इस वजह से किया गया क्योंकि रहाणे खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। मैच के चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद बैटिंग कोच विक्रम राठौर ने बताया कि आखिर क्यों जडेजा को बैटिंग ऑर्डर में प्रमोशन दिया गया। जडेजा के बैटिंग ऑर्डर में प्रमोशन को लेकर राठौर ने कहा, देखा जाए तो दोनों पारियों में हमें इसका कुछ फायदा मिला और उन्होंने दूसरी पारी में कप्तान विराट कोहली के साथ अहम साझेदारी निभाई। यह बदलाव लंबे समय के लिए किया गया है इसको लेकर अभी फैसला नहीं लिया गया है। हम आगे देखेंगे कि क्या करना है।

जडेजा को नंबर पांच पर भेजने का मतलब यह है कि हम राइट और लेफ्ट हैंडर्स बल्लेबाज का कॉम्बिनेशन बनाए रखें। राठौर ने आगे कहा, इससे पहले हमारे दोनों बाएं बाथ के बल्लेबाज (ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा) छठे और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आते थे। दो हम दो बाएं हाथ के बल्लेबाजों के बीच एक गैप चाहते थे। यह एक एकदम सिंपल रणनीति थी, क्योंकि जडेजा पहले भी बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। वह काफी कंट्रोल के साथ बल्लेबाजी करते हैं। एक टीम के तौर पर हम देखना चाहते थे कि इससे मिडिल ऑर्डर बल्लेबाजी में कितना बैलेंस आता है। मैच के पांचवें दिन रविंद्र जडेजा का रोल काफी अहम होगा।

दक्षिण अमेरिका क्वालीफायर में उरूग्वे जीता, कोलंबिया ने ड्रॉ खेला

नई दिल्ली । दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल विश्व कप क्वालीफायर में जहां ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच मैच कोरोना प्रोटोकॉल को लेकर स्थगित कर दिया गया, तो वहीं उरूग्वे और कोलंबिया ने अंक हासिल किए। उरूग्वे ने आठवें स्थान पर काबिज बोलिविया को 4-2 से हराकर चौथा स्थान हासिल किया। अब उसके आठ मैचों में 12 अंक है। कोलंबिया ने पराग्वे से 1-1 से ड्रॉ खेला जो उसका लगातार तीसरा ड्रॉ है। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर की शीर्ष चार टीमें सीधे अगले साल कतर में होने वाला विश्व कप खेलेंगी। पांचवीं टीम अंतर महाद्वीपीय प्लेआफ में उतरेगी। वहीं ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच विश्व कप क्वालीफायर मैच नाटकीय हालात में स्थगित करना पड़ा जब कोरोना वायरस प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने वाले तीन खिलाड़ियों को बाहर करने के लिये स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को मैदान में आना पड़ा। मैच में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और ब्राजील के नेमार भी खेल रहे थे। इस मैच को सातवें मिनट में ही रोकना पड़ा जब दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थी। खिलाड़ियों, कोचों, फुटबॉल अधिकारियों और स्थानीय अधिकारियों के बीच काफी बहस भी हुई। ब्राजील के स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अर्जेंटीना के इंग्लैंड में बसे तीन खिलाड़ियों को आइसोलेशन में रहना चाहिए था लेकिन वे मैच खेल रहे थे। फीफा को अब तय करना है कि इस क्वालीफायर का आगे क्या होगा। ब्राजील की स्वास्थ्य एजेंसी के अध्यक्ष अंतोनियो बारा टोरेस ने कहा कि ब्राजील का कोरोना प्रोटोकॉल तोड़ने के लिए अर्जेंटीना के चार खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया जायेगा और उन्हें वापिस भेज दिया जायेगा। इन चारों को आइसोलेशन में रहने के लिए कहा गया था लेकिन तीन मैच खेलने उतरे थे।

एस्टोन विला के एमिलियानो मार्तिनेज और एमिलियानो ब्यूंदिया और टोटेनहम के जियोवान्नी लो सेल्सो और क्रिस्टियन रोमेरो को प्रीमियर लीग इंटरनेशल मैच खेलने छोड़ना नहीं चाहता था क्योंकि वापसी पर उन्हें दस दिन आइसोलेशन में रहना होगा।

ब्राजील और अर्जेंटीना का विश्व कप क्वालीफायर स्थगित, कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने पर 3 खिलाड़ी निलंबित

साओ पाउलो। ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच विश्व कप क्वालीफायर मैच नाटकीय हालात में स्थगित करना पड़ा जब कोरोना वायरस प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने वाले तीन खिलाड़ियों को बाहर करने के लिये स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को मैदान में आना पड़ा। मैच में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी और ब्राजील के नेमार भी खेल रहे थे। इस मैच को सातवें मिनट में ही रोकना पड़ा जब दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थी। खिलाड़ियों, कोचों, फुटबॉल अधिकारियों और स्थानीय अधिकारियों के बीच काफी बहस भी हुई। ब्राजील के स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अर्जेंटीना के इंग्लैंड में बसे तीन खिलाड़ियों को पृथकवास में रहना चाहिये था लेकिन वे मैच खेल रहे थे। फीफा को अब तय करना है कि इस क्वालीफायर का आगे क्या होगा। ब्राजील की स्वास्थ्य एजेंसी के अध्यक्ष अंतोनियो बारा टोरेस ने कहा कि ब्राजील का कोरोना प्रोटोकॉल तोड़ने के लिये अर्जेंटीना के चार खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया जायेगा और उन्हें वापिस भेज दिया जायेगा।

टी20 वर्ल्ड के लिए हो चुका टीम इंडिया का सिलेक्शन, इस दिन हो सकता है टीम ऐलान

नई दिल्ली । इस साल अक्टूबर-नवंबर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में होने वाले टी20 वर्ल्ड के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का चयन हो चुका है। चेतन शर्मा की अध्यक्षता वाली सिलेक्शन कमेटी पहले टी20 वर्ल्ड के लिए 15 सदस्यीय भारतीय क्रिकेट टीम का चयन कर चुकी है। इनसाइडस्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई के अधिकारी और सिलेक्टर्स ने कप्तान विराट कोहली और कोच रवि शास्त्री से मुलाकात करके टीम को चुन लिया है। अधिकारियों ने कहा है कि चुनी गई टीम की घोषणा सोमवार शाम या मंगलवार सुबह की जा सकती है। इस बीच, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को टी20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय

टीम की घोषणा कर दी है। टीम में शोएब मलिक और मोहम्मद आमिर को जगह नहीं दी गई है। टी20 वर्ल्ड कप में 24 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच खेला जाना है। इनसाइडस्पोर्ट ने बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से कहा, यह सब टेस्ट मैच पर निर्भर करेगा।

अगर मैच जल्दी खत्म हो जाता है तो सोमवार शाम को ही टीम की घोषणा कर दी जाएगी और अगर मैच देर तक चलता है तो मंगलवार सुबह टीम का ऐलान किया जाएगा। लेकिन हम इतना कन्फर्म कर सकते हैं कि 15 सदस्यीय टीम पहले ही चुन ली गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कप्तान विराट कोहली और सिलेक्शन कमिटी के बीच चौथे टेस्ट मैच से पहले एक अहम मीटिंग हुई थी जिसमें टीम के चयन को अंतिम रूप दिया गया था। टीम चयन के दौरान केवल कुछ ही नामों को लेकर चर्चा हुई है। आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड 2021 के लिए 10 सितंबर से पहले सभी टीमों को अपनी टीम घोषित करने का आदेश दे दिया था।

इस आदेश से उन भारतीय खिलाड़ियों को नुकसान हो सकता है जो वर्ल्ड कप से ठीक पहले होने वाले आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर के टीम में जगह बनाना चाह रहे थे।

वर्ल्ड कप के लिए टीम चयन में शिखर धवन, भुवनेश्वर कुमार, क्रुणाल पंड्या जैसे खिलाड़ियों पर नजरें होंगी। आईपीएल 2021 का दूसरा चरण 19 सितंबर से यूएई में खेला जाएगा।

एक नजर

मुशफिकुर रहीम अब टी 20 इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं करना चाहते विकेटकीपर, कोच ने किया दावा

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य कोच रसेल डोमिंगो ने खुलासा किया है कि मुशफिकुर रहीम अब खेल के सबसे छोटे प्रारूप में विकेटकीपिंग नहीं करना चाहते हैं। डोमिंगो ने ये खुलासा रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में बांग्लादेश की टीम को मिली हार के बाद किया है। मुख्य कोच ने ये भी बताया है कि कौन सा खिलाड़ी भविष्य में अब बांग्लादेश की टीम के लिए विकेटकीपिंग करता नजर आएगा। रसेल डोमिंगो के हवाले से क्रिकइंफो ने लिखा है, ÷योजनाओं में बदलाव आया है। शुरुआत में मुशी(मुशफिकुर रहीम) से बात करने के बाद वह दूसरे गेम के बाद भी कीपिंग करने वाले थे, लेकिन उसने मुझसे कहा कि वह शायद अब टी20 में विकेटकीपिंग नहीं करना चाहता, इसलिए हमें आगे बढ़ना होगा। मुझे नहीं लगता कि मुशफिकुर की इस प्रारूप में बने रहने की इच्छा अब अच्छी है। हमें नूरुल हसन सोहन पर ध्यान देना होगा और उन्हें प्रतियोगिता में जाने के लिए विकेटकीपिंग करने देनी होगी। मुशफिकुर को अभी खुलकर सामने आना है और कहानी के अपने पक्ष का खुलासा करना है कि वह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में विकेटकीपिंग दस्ताने क्यों नहीं पहनना चाहते हैं। स्पिनर एजाज पटेल के चार विकेट से न्यूजीलैंड को 128 रनों का बचाव करने में मदद मिली और रविवार को यहां शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में बांग्लादेश को 52 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने इस सीरीज की अपनी पहली जीत दर्ज की और पांच मैचों की सीरीज अभी भी 2-1 से बांग्लादेश के पक्ष में है। चौथा टी20 मैच अब बुधवार को खेला जाएगा। 129 रनों का पीछा करते हुए बांग्लादेश का कोई भी बल्लेबाज ज्यादा नहीं टिक सका और शीर्ष स्कोरर मुशफिकुर रहीम थे, क्योंकि उन्होंने 20 रनों की पारी खेली थी। बांग्लादेश की पारी 19.4 ओवर में ही 76 रन पर ढेर हो गई।

स्पेन और जर्मनी को मिली जीत, जॉर्जिया और आर्मेनिया ने गंवाए प्वाइंट्स

नई दिल्ली । स्पेन ने विश्व कप फुटबॉल यूरोपीय क्वालीफायर ग्रुप बी के मैच में जॉर्जिया को 4-0 से हराकर शानदार वापसी की। पिछले मैच में स्वीडन से हारने के बाद स्पेन को यह मैच हर हालत में जीतना था। हर ग्रुप से शीर्ष टीम ही नवंबर 2022 में कतर में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी। दूसरे स्थान की टीम प्लेआफ में खेलेगी। इस जीत के बाद स्पेन के दस अंक हो गए हैं जबकि स्वीडन के नौ अंक हैं। स्वीडन से मिली हार के बाद कोच लुई एनरिक ने टीम में काफी बदलाव किए थे। वहीं, एक अन्य मैच में स्टॉपेज टाइम में वेदात मुरिकि के गोल के दम पर कोसोवो ने यूनान को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। यूनान के लिए अनास्तासियोस दोविकास ने गोल किया। विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर के दिन के एक अन्य बड़े मुकाबले में जर्मनी ने आर्मेनिया को 6-0 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। सर्ज नाबरी ने दो और साल्जबर्ग के फॉरवर्ड करीम एडेयेमी ने एक गोल किया। जर्मनी के लिए मार्को रियुस, टिमो वर्नर और योनास होफमैन ने एक एक गोल दागा। मार्च में उत्तरी मेसेडोनिया से अप्रत्याशित पराजय झेलने वाली जर्मन टीम ने इस जीत के साथ ग्रुप जे में पांच मैचों में 12 अंक लेकर शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। अन्य मैचों में उत्तरी मेसेडोनिया को आइसलैंड ने 2-2 से बराबरी पर रोका। रोमानिया ने लीश्टेंस्टेन को 2-0 से हराया

पाकिस्तान ने टूर्नामेंट के लिए घोषणा की टीम, यह दो खिलाड़ी हुए बाहर

कराची। मध्यक्रम के बल्लेबाज आसिफ अली और खुशदिल शाह को अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिये पाकिस्तानी टीम में जगह दी गई है जबकि अनुभवी फखर जमां और विकेटकीपर सरफराज अहमद को बाहर कर दिया गया है। बाबर आजम की कप्तानी वाली टीम विश्व कप से पहले इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी टी20 मैच खेलेगी। लाहौर और रावलपिंडी में सात टी20 मैच 25 सितंबर से 14 अक्टूबर के बीच खेले जायेंगे। इसके बाद विश्व कप के पहले मैच में 24 अक्टूबर को पाकिस्तान का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से होगा। विश्व कप 17 अक्टूबर से यूएई और ओमान में खेला जायेगा। आसिफ ने अप्रैल में जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 मैच खेला था।उन्होंने 29 मैचों में 16 . 38 की औसत से रन बनाये हैं जबकि बायें हाथ के बल्लेबाज खुशदिल का नौ मैचों में औसत 21 . 6 है। उन्होंने आखिरी टी20 लाहौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। मुख्य चयनकर्ता मोहम्मद वसीम ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' आसिफ अली और खुशदिल शाह के आंकड़े भले ही प्रभावी नहीं हो लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि वे अपार प्रतिभाशाली हैं।मध्यक्रम के लिये वे सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध क्रिकेटर हैं।'' टीम ÷ बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, आसिफ अली, आजम खान, हारिस रऊफ, हसन अली, इमान वसीम, खुशदिल शाह, मोहम्मद हफीज, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, शाहीन शाह अफरीदी, सोहेब मकसूद। रिजर्वः फखर जमां, शाहनवाज दहानी, उस्मान कादिर।

गिनी में सैनिक तख्तापलट के कारण विश्व कप क्वालीफायर स्थगित, मिस्र ने ड्रॉ खेला

केपटाउन। गिनी में सैनिक तख्तापलट के कारण वहां होने वाला विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर मैच स्थगित कर दिया गया है जबकि मोरक्को की टीम सुरक्षित तरीके से इस पश्चिम अफ्रीकी देश से निकलने में कामयाब रही है। गिनी और मोरक्को के बीच सोमवार को कोनाक्री में ग्रुप आई का मैच होना था। मैच से एक दिन पहले हालांकि राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को सैनिकों ने बंदी बना लिया। राजधानी कोनाक्री में राष्ट्रपति भवन के पास सैनिकों द्वारा भारी गोलीबारी की खबर सामने आई है। यहां सेना के विद्रोही गुट ने सरकार को हटाकर तख्तापलट करते हुएसरकार भंग कर दीहै। साथ ही देश की सीमाओं को भी सील कर दिया गया है। मोरक्को की टीम को हालांकि निकलने की अनुमति दे दी गई थी। अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ ने एक बयान में कहा ,'' गिनी में राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति अस्थिर है। खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों की सुरक्षा के लिये यह मैच स्थगित कर दिया गया है।फीफा और सीएएफ हालात पर नजर रखे हुए हैं।'' अफ्रीकी क्वालीफायर में रविवार को तीन मैच हुए। इसमें ग्रुप एफ के मैच में मिस्र ने गाबोन से 1 . 1 से ड्रॉ खेला हालांकि मोहम्मद सालाह ने इस मैच में वापसी की। वह स्वदेश में पहला मैच नहीं खेल सके थे क्योंकि लिवरपूल ने वापसी पर दस दिन के पृथकवास के कारण उन्हें छोड़ने से इनकार कर दिया था। मिस्र ब्रिटेन की 'रेडलिस्ट' वाले देशों में से है लेकिन गाबोन नहीं है। रवांडा ने एक अन्य मैच में कीनिया से 1 . 1 से ड्रॉ खेला जबकि नामीबिया ने टोगो को 1 . 0 से हराया।

रवींद्र जडेजा भारत के लिए साबित होंगे गेम चेंजर, कोच की ओर से किया गया दावा

नई दिल्ली । इंडिया और इंग्लैंड के बीच ओवल में खेले जा रहे चौथे टेस्ट में कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है. आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 291 रन बनाने की जरूरत है, जबकि इंडिया को बाजी मारने के लिए 10 विकेट चटकाने होंगे. बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ का मानना है कि टीम के लेफ्ट ऑर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के अंतिम दिन अहम भूमिका निभाएंगे.चौथे दिन आखिरी सेशन के दौरान जडेजा कुछ मौके बनाते हुए दिखाई दिए थे. राठौड़ ने कहा, मुझे लगता है कि अंतिम दिन जडेजा अहम भूमिका निभाएंगे क्योंकि पांचवें दिन पिच स्पिनरों की मददगार हो सकती है. वह अच्छी गेंदबाजी करते हैं. जडेजा नियंत्रित होकर गेंदबाजी करते हैं, पिछले 5-6 ओवर में उन्होंने काफी मौके बनाए. राठौर ने जडेजा को बेहद महत्वपूर्ण करार दिया है. उन्होंने कहा, पांचवें दिन भाग्य ने साथ दिया तो इन मौकों से विकेट मिल सकते हैं. जडेजा इन कारणों की वजह से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. उनके अलावा मध्य तेज गेंदबाजों को भी बेहतर करना होगा. बता दें कि ओवल टेस्ट में इंग्लैंड ने टॉस जीतने के बाद इंडिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था. इंडिया ने पहली पारी में 191 रन ही बनाए. इंग्लैंड हालांकि इंडिया के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहा और उसने 290 रन बनाए. इस तरह से इंग्लैंड को पहली पारी में 99 रन की बढ़त मिली. इंडिया ने दूसरी पारी में कमाल की वापसी की. रोहित शर्मा के शतक की बदौलत इंडिया ने अपनी दूसरी पारी में 466 का स्कोर खड़ा किया. इस लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 77 रन बना लिए हैं.

बाजार में शानदार तेजी: लगातार तीसरे दिन टूटा रिकॉर्ड, 58 हजार के ऊपर बंद हुआ सेंसेक्स

नई दिल्ली । आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद दोबारा रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 166.96 अंकों (0.29 फीसदी) की बढ़त के साथ 58,296.91 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 54.20 अंकों (0.31 फीसदी) की तेजी के साथ 17,377.80 के स्तर पर बंद हुआ। यह सेंसेक्स-निफ्टी के बंद होने का उच्चतम स्तर है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 58515.85 और निफ्टी 17,429.55 के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 2,005.23 अंक या 3.57 फीसदी बढ़ा था। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन का शेयर आज नई ऊंचाई पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 48,152.00 करोड़ रुपये हो गया। बीएसई पर यह 140.10 अंक यानी 4.88 फीसदी की तेजी के साथ 3009.50 पर बंद हुआ। पिछले साल नवंबर में यह 1,291 रुपये पर था। बाजार हैसियत के लिहाज से आईआरसीटीसी शीर्ष 100 कंपनियं में शामिल हो गई है। यह 93वें स्थान पर पहुंच गई। दरअसल कोरोना वायरस महामारी की दो लहरों का सामना कर चुके देश की अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ पटरी पर लौट रही है। वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में जीडीपी विकास दर 20.1 फीसदी रही। यह चीन से भी बेहतर आंकड़े हैं क्योंकि पहली तिमाही में चीन की विकास दर

7.9 फीसदी दर्ज की गई। यानी यह माना जा सकता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था चीन के मुकाबले तेजी से सुधरी है। इससे निवेशकों में उत्साह बढ़ा है। साथ ही विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है, जिससे घरेलू बाजार में तेजी आई। साथ ही टीकाकरण से निवेशकों में कोरोना का डर खत्म होता नजर आ रहा है। इन सभी कारकों से बाजार प्रभावित हुआ। दिग्गज शेयरों की बात करें, तो दिनभर के कारोबार के बाद विप्रो, एचसीएल टेक, इंफोसिस, रिलायंस और हिंडाल्को के शेयर हरे निशान पर बंद हुए। वहीं ओएनजीसी, आईओसी, इंडसइंड बैंक, ब्रिटानिया और कोटक बैंक के शेयर लाल निशान पर बंद हुए। सेक्टोरियल इंडेक्स पर नजर डालें तो आज एफएमसीजी, बैंक, प्राइवेट बैंक, फाइनेंस सर्विस, पीएसयू बैंक और फार्मा लाल निशान पर बंद हुए। वहीं ऑटो, मीडिया, रियल्टी, मेटल और आईटी हरे निशान पर बंद हुए। शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर खुला। सेंसेक्स 269.92 अंकों (0.46 फीसदी) की तेजी के साथ 58399.87 के स्तर पर खुला। निफ्टी 73.70 अंकों (0.43 फीसदी) की बढ़त के साथ 17397.30 के स्तर पर खुला था। शुक्रवार को शेयर बाजार दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान पर बंद हुआ था। सेंसेक्स 277.41 अंकों (0.48 फीसदी) की बढ़त के साथ 58,129.95 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 89.45 अंकों (0.52 फीसदी) की तेजी के साथ 17,323.60 के स्तर पर बंद हुआ था।

30 सितंबर है आईटीआर भरने की आखिरी तारीख, सही फॉर्म का करें चुनाव, वरना होगा नुकसान

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने 2020-21 (असेसमेंट ईयर 2021-22) के लिए आईटीआर भरने की अंतिम तारिख 30 सितंबर 2021 है। विभाग ने करदाताओं के लिए सात तरह के फॉर्म निर्धारित किए हैं। ऐसे में आपको अपनी आय के आधार पर सावधानी से अपना आईटीआर फॉर्म चुनना होगा, वरना आयकर विभाग इसे अस्वीकार कर देगा। यदि फॉर्म भरते समय कोई गलती हुई, तो विभाग आपको नोटिस भेज सकता है। करदाताओं के लिए जरूरी है कि वे रिटर्न भरने के लिए सही आईटीआर फॉर्म का चुनाव करें और उसमें सभी जरूरी जानकारियां दें। अगर आपको वेतन, हाउस प्रॉपर्टी, कैपिटल गेन्स, कारोबार या पेशा या ब्याज-लाभांश जैसे दूसरे स्रोतों से कमाई होती है तो रिटर्न भरते समय इनकी भी पूरी जानकारी दें। सभी बैंक खातों का भी खुलासा करें। इसके तहत आईएफएस कोड, बैंक का नाम और खाता नंबर की जानकारी देनी होगी। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि अपडेटेड बैंक खाते में ही रिफंड आता है।

करदाताओं के लिए सात तरह के फॉर्म निर्धारित

आईटीआर-1 (सहज)-यह सबसे आसान फॉर्म है। इस फॉर्म का इस्तेमाल वह छोटे एवं मध्यम करदाता कर सकते हैं, जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपये तक होती है। साथ ही जिनका कमाई का जरिया सिर्फ वेतन और एक घर या ब्याज जैसे अन्य स्रोत हैं।

आईटीआर-2- जिन व्यक्तिगत करदाताओं और हिंदू अविभाजित परिवार की कमाई किसी कारोबार या प्रोफेशन से न हो। साथ ही वह सहज फॉर्म भरने की योग्यता न रखते हों।

आईटीआर-3-जिन व्यक्तिगत करदाताओं और हिंदू अविभाजित परिवार की कमाई किसी कारोबार या प्रोफेशन से हो।

आईटीआर-4 (सुगम)- यह फॉर्म हिंदू अविभाजित परिवार और कंपनियों की ओर से भरा जाता है, जिनकी किसी कारोबार या प्रोफेशन से सालाना कमाई 50 लाख रुपये तक हो।

आईटीआर-5- हिंदू अविभाजित परिवार, भागीदारी वाली कंपनियां, एलएलपी इसे भर सकती हैं।

आईटीआर-6- इसे धारा 11 के तहत छूट का दावा करने वाली कंपनियों के अलावा अन्य कंपनियों के लिए है।

आईटीआर-7- आयकर अधिनियम के तहत छूट क्लेम करने वाले ट्रस्ट, राजनीतिक पार्टियां और चैरिटेबल ट्रस्ट यह फॉर्म भर सकते हैं।

केंद्रीय कर्मियों का सरकार को अल्टीमेटम / डीए-डीआर के एरियर पर मुकदमेबाजी से पहले सोचने के लिए दिए 30 दिन

नई दिल्ली । केंद्र सरकार द्वारा कर्मियों के 'डीए-डीआर' का एरियर रोके जाने के खिलाफ अब कर्मी लामबंद होने लगे हैं। फिलहाल, कर्मियों ने केंद्र सरकार को 30 दिन का अल्टीमेटम दिया है। कर्मियों ने इसे अदालत में जाने से पूर्व की कार्रवाई बताया है। जेसीएम के सदस्य और एआईडीईएफ के महासचिव सी. श्रीकुमार ने इस बाबत तीन सितंबर को कैबिनेट सचिव को पत्र लिखा है कि अगर सरकार एक माह में कर्मियों के एरियर को लेकर कोई घोषणा नहीं करती है तो यह मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष जाएगा। श्रीकुमार का कहना है, पिछले साल केंद्र सरकार ने कोविड-19 की आड़ लेकर सरकारी कर्मियों और पेंशनरों के डीए-डीआर पर रोक लगा दी थी। महामारी के दौरान रेलवे, रक्षा, डाक और अस्पताल के कर्मियों ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई थी। इन कर्मियों ने पीएम केयर फंड में एक दिन का वेतन जमा कराया था। सरकार ने कर्मियों के 11 फीसदी डीए का भुगतान रोक कर 40000 करोड़ रुपये बचा लिए। कर्मियों के दबाव के चलते केंद्र ने गत एक जुलाई से 11 फीसदी की दर से डीए-डीआर जारी करने का निर्णय लिया है। कर्मियों का कहना है, सरकार ने एक जनवरी 2020 से लेकर एक जुलाई 2021 तक के डीए-डीआर की बकाया राशि को लेकर कोई बात नहीं की। साथ ही, यह आदेश भी जारी कर दिया कि एक जनवरी 2020 से लेकर एक जुलाई 2021 तक डीए-डीआर फ़्रीज कर दिया गया था। उस अवधि में डीए की दरें नहीं बढ़ाई गई हैं। इन 18 महीनों में डीए की दर 17 फीसदी ही मानी जाए। सरकार की इस बात से साफ हो गया कि कर्मी अब बकाया राशि का इंतज़ार न करें। कर्मचारी संगठनों ने सरकार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय-समय पर दिए गए फैसलों का हवाला दिया है। श्रीकुमार बताते हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, वेतन और पेंशन, कर्मियों का पूर्ण अधिकार है। यह कानून के अनुसार, देय है। राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) के सचिव/कर्मचारियों ने अपने पत्र दिनांक 16/04/2021 के माध्यम से डीए/डीआर को फ्रीज करने के सरकार के फैसले का विरोध किया था। सरकार का यह कदम वेतन आयोगों की स्वीकृत सिफारिशों के खिलाफ है। 26 जून 2021 को आयोजित राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) की 48वीं बैठक में स्टाफसाइड ने मांग की थी कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को देय डीए/डीआर की तीन किस्तों का भुगतान 01/01/2020 से किया जाए। वित्त मंत्रालय ने दिनांक 20 जुलाई 2021 के कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से डीए को मूल वेतन के मौजूदा 17 फीसदी से बढ़ाकर 28 फीसदी करने के आदेश जारी किए। इसका मतलब ये हुआ कि 01/01/2020, 01/07/2020 और 01/01/2021 से बढ़ाए गए डीए/डीआर की बकाया राशि देने की बात को केंद्र सरकार ने अस्वीकार कर दिया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा कहा गया है कि सरकार अपने कर्मियों के वेतन को स्थायी रूप से नहीं रोक सकती। वेतन आयोग ने उन मामलों में भी निर्णयों की सिफारिश की है जहां एक समूह या सरकारी कर्मचारियों की श्रेणी के लिए लागू सामान्य प्रकृति का एक सिद्धांत या सामान्य मुद्दा उन कर्मचारियों पर भी लागू होगा, जिन्होंने मुकदमा नहीं किया है या अदालतों का दरवाजा नहीं खटखटाया है। श्रीकुमार के अनुसार, यदि भारत सरकार उपरोक्त अनुरोध के अनुसार डीए/डीआर की बकाया राशि की तीन बढ़ी हुई किस्तें जारी करने का कोई निर्णय नहीं ले रही है, तो कर्मचारी संघ न्याय पाने के मकसद से उचित कानूनी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होगा। कर्मियों के इस अल्टीमेटम को पूर्व-मुकदमेबाजी आवेदन के रूप में माना जा सकता है। यदि एक महीने की अवधि के भीतर कोई अनुकूल निर्णय प्राप्त नहीं होता है, तो कर्मी, उचित कानूनी कार्रवाई के साथ आगे बढ़ेंगे।

निवेश का मौका: जल्द आ सकता है इस सरकारी कंपनी का आईपीओ, सरकार की 25 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना

नई दिल्ली । केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की मिनी रत्न कंपनी वाप्कोस में अपनी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी कर रही है। सरकार इस कंपनी में प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए अपनी 25 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी। यह आईपीओ मार्च 2022 तक आ सकता है। कोरोना वायरस महामारी की वजह से आईपीओ में कुछ देरी हुई। कंपनी को उम्मीद है कि वैल्युएशन का काम दो महीने तक पूरा हो जाएगा। मामले में कंपनी ने एक अधिकारी ने बताया कि महामारी की वजह से आईपीओ में कुछ देरी हुई है। पिछले साल प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार गुलजार रहा। तरलता की बेहतर स्थिति तथा निवेशकों की उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया के चलते कंपनियों ने साल 2020 में आईपीओ के जरिए करोड़ों रुपये जुटाए हैं। इस साल भी आईपीओ बाजार से निवेशकों को बंपर मुनाफा हुआ है। आईपीओ बाजार में हलचल अब भी जारी है। वाप्कोस कंपनी जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत आती है। यह कंपनी पानी, बिजली और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के लिए कंसल्टेंसी, इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण सेवाएं उपलब्ध कराती है। डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट ने फरवरी 2021 में 25 फीसदी बेचने के लिए रजिस्टार सर्विस और एडवरटाइजिंग एजेंसी के लिए टेंडर निकाला था। सरकार वित्त वर्ष 2021-22 में विनिवेश के जरिए 1.75 लाख करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इतना ही नहीं, सरकार राष्ट्रीय बीज निगम में भी आईपीओ के जरिए अपनी 25 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है । जब भी कोई कंपनी या सरकार पहली बार आम लोगों के सामने कुछ शेयर बेचने का प्रस्ताव रखती है तो इस प्रक्रिया को प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) कहा जाता है। आईपीओ में पैसा लगाकर निवेशक अच्छे पैसे कमा सकते हैं। कोरोना वायरस महामारी घरेलू शेयर बाजार उबरने लगे हैं। इसे देखते हुए कंपनियां लगातार आईपीओ लॉन्च कर रही हैं।

सोना-चांदी: पीली धातु की कीमत में 71 रुपये की गिरावट, चांदी में 263 रुपये की तेजी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमत में गिरावट आई, वहीं चांदी में वृद्धि दर्ज की गई। आज सोने में 71 रुपये की गिरावट आई और इसकी कीमत 46,503 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, पिछले सत्र में सोने का दाम 46,574 रुपये प्रति 10 ग्राम था। सोना अंतरराष्ट्रीय कीमत से प्रभावित हुआ। चांदी की बात करें, तो इस दौरान चांदी में 263 रुपये की तेजी आई और इसकी कीमत 64,168 रुपये प्रति किलो हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 63,905 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का दाम 1,826 डॉलर प्रति औंस पर रहा जबकि चांदी का दाम 24.78 डॉलर प्रति औंस पर सपाट था। बीते वित्त वर्ष 2020-21 में सोने का आयात 22.58 फीसदी बढ़कर 34.6 अरब डॉलर या 2.54 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सोने का आयात चालू खाते के घाटे को प्रभावित करता है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार घरेलू मांग बढ़ने से सोने का आयात बढ़ा है। वित्त वर्ष के दौरान चांदी का आयात 71 फीसदी घटकर 79.1 करोड़ डॉलर रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में सोने का आयात 28.23 अरब डॉलर रहा था। सोने के

आयात में बढ़ोतरी के बावजूद बीते वित्त वर्ष में देश का व्यापार घाटा कम होकर 98.56 अरब डॉलर रह गया। 2019-20 में यह 161.3 अरब डॉलर रहा था। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) के चेयरमैन कोलिन शाह ने कहा कि घरेलू मांग बढ़ने से सोने का आयात बढ़ रहा है। स्वर्ण ईटीएफ सोने की कीमत पर आधारित होते हैं और उसके दाम में आने वाली घट-बढ़ पर ही इसका दाम भी घटता बढ़ता है। मालूम हो कि ईटीएफ का प्रवाह सोने में कमजोर निवेशक रुचि को दर्शाता है। एक मजबूत डॉलर अन्य मुद्राओं के धारकों के लिए सोने को अधिक महंगा बनाता है।

मंडी समीक्षा: सरसों दाना 9,200 रुपये क्विंटल पर पहुंचा, कच्ची घानी तेल में 45 रुपये की तेजी

नई दिल्ली। त्योहारी मांग बढ़ने और सरसों तेल का कोई बेहतर विकल्प नहीं होने के कारण सलोनी, आगरा और कोटा में सरसों का भाव अपने पिछले सप्ताह के 8,800 रुपये के मुकाबले बढ़ाकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 9,200 रुपये क्विंटल पर पहुंच गया। वहीं, देश की मंडियों में आवक घटने से सरसों दाने की कीमत में तेजी आई। बजार सूत्रों ने बताया कि राजस्थान के कोटा में पिछले सप्ताह कच्ची घानी के सरसों तेल का भाव 168 रुपये (जीएसटी अलग से) था, जिसे बढ़ाकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 177 रुपये किलो कर दिया गया। कोटा के सरसों का कच्ची घानी का तेल सबसे बढ़िया माना जाता है और भरतपुर की बड़े तेल मिलों की कोटा से सरसों कच्ची घानी तेल की मांग बढ़ रही है , क्योंकि सरसों तिलहन आसानी से उपलब्ध नहीं है। इन सब स्थितियों की वजह से सरसों में सुधार है। सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन के तेल पेराई संयंत्रों के रखरखाव के काम में मशगूल होने की वजह से मांग प्रभावित होने के कारण भी सोयाबीन तेल कीमतों में गिरावट आई। बजार सूत्रों के मुताबिक सोयाबीन डीगम, पामोलीन और कच्चे पाम तेल का आयात शुल्क मूल्य बाजार भाव से कम बनाये रखने के कारण दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सोयाबीन डीगम तेल, पामोलीन और सीपीओ तेल कीमतों में गिरावट का रुख रहा, जबकि सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की मांग होने की वजह से सोयाबीन दाना और लूज के भाव सुधार के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह दिल्ली मंडी में सरसों दाने का भाव 225 रुपये का लाभ दर्शाता 8,400-8,450 रुपये प्रति क्विंटल हो गया, जो पिछले सप्ताहांत 8,175-8,225 रुपये प्रति क्विंटल था। सरसों दादरी तेल का भाव 420 रुपये की मजबूती के साथ 17,000 रुपये क्विंटल हो गया। सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी के भाव क्रमश- 45-45 रुपये के सुधार के साथ समीक्षाधीन सप्ताहांत में क्रमश 2,605-2,655 रुपये और 2,690-2,800 रुपये प्रति टिन (15 लीटर) पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह सीपीओ और सोयाबीन डीगम तेल का आयात शुल्क मूल्य बाजार भाव से 300-400 रुपये क्विंटल नीचे बनाए रखा गया था। वैसे तो इस आयात शुल्क मूल्य को पिछले पखवाड़े के स्तर पर ही रखा गया है, लेकिन यह इन तेलों के हाजिर भाव से काफी कम है, जिसमें काफी समय से बदलाव नहीं हुआ है। इसके कारण सोयाबीन और सीपीओ के भाव प्रभावित होने से सीपीओ और सोयाबीन डीगम तेल के अलावा पामोलीन दिल्ली, पामोलीन कांडला, सोयाबीन दिल्ली और सोयाबीन कांडला तेल कीमतों में भी गिरावट आई। उन्होंने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की मांग बढ़ने से सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज के भाव सुधार के साथ बंद हुए। उन्होंने कहा कि अभी बाजार की मांग के मुकाबले जिस मात्रा में डीओसी का आयात किया जा रहा है, उससे मांग पूरी नहीं हो रही है और अगले कुछ दिनों में स्थिति सुधर सकती है।

समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दाना और लूज के भाव क्रमश 475 रुपये और 200 रुपये का सुधार दर्शाते क्रमश 9,100-9,500 रुपये और 8,800-9,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर सोयाबीन डीगम का आयात शुल्क मूल्य बाजार भाव से कम होने के कारण सोयाबीन डीगम तेल में गिरावट आई जिसका असर सोयाबीन के बाकी तेलों पर भी दिखा। सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव क्रमश 30 रुपये, 50 रुपये और 120 रुपये की हानि दर्शाते क्रमश 15,000 रुपये, 14,900 रुपये और 13,540 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली (तिलहन) के भाव 6,820-6,965 रुपये पर पूर्ववत रहे, जबकि मूंगफली गुजरात 70 रुपये सुधार के साथ 15,570 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

मूंगफली सॉल्वेंट रिफाइंड का भाव 10 रुपये सुधार के साथ 2,395-2,525 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 110 रुपये घटकर 11,900 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली और पामोलीन कांडला तेल के भाव क्रमश 220 रुपये और 190 रुपये की हानि दर्शाते क्रमश 13,430 रुपये और 12,320 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

एक नजर

आज दूसरे दिन नहीं घटे पेट्रोल-डीजल के दाम, जानिए अपने शहर की कीमतें

नई दिल्ली । सरकारी तेल कंपनियों की ओर से आज पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बीते कल पेट्रोल की कीमत 13 से 15 पैसे, तो वहीं डीजल की कीमत 14-15 पैसे घटी थी। हालांकि अब भी प्रमुख बड़े शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये से ऊपर बनी हुई है। आज दिल्ली में पेट्रोल का दाम 101.19 रुपये जबकि डीजल का दाम88.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 107.26 रुपये व डीजल की कीमत 96.19 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 101.62 रुपये जबकि डीजल का दाम 91.71 रुपये लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 98.96 रुपये लीटर है तो डीजल 93.26 रुपये लीटर है। बता दें कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पेट्रोल का भाव 100 रुपये पार हो चुका है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत सबसे अधिक है। पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, आपको अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा। बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है। इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं। वे खुद को खुदरा कीमतों पर उपभोक्ताओं के अंत में करों और अपने स्वयं के मार्जिन जोड़ने के बाद पेट्रोल बेचते हैं। पेट्रोल रेट और डीजल रेट में यह कॉस्ट भी जुड़ती है।

दिवाली से पहले 6 करोड़ से अधिक लोगों के खाते में आएंगे पैसे, ईपीएफओ जारी कर सकता है ब्याज की रकम

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) दिवाली से पहले अपने 6 करोड़ से अधिक सदस्यों को खुश होने का मौका दे सकता है। ईपीएफओ वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए ब्याज दर दिवाली से पहले जारी कर सकता है। नाम न बताने के शर्त पर अधिकारियों ने बताया यह सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को उनके महंगाई भत्ते और महंगाई राहत वृद्धि के साथ मिल जाएगा। लाइव मिंट की खबर के मुताबिक इनमें से एक अधिकारी ने कहा कि ईपीएफओ के केंद्रीय बोर्ड ने ब्याज में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है और रिटायरमेंट फंड मैनेजर ने वित्त मंत्रालय की मंजूरी मांगी है और जल्द ही इसे मंजूरी मिलने की उम्मीद है। हालांकि कुछ लोगों का तर्क है कि वित्त मंत्रालय की मंजूरी सिर्फ प्रोटोकॉल का मामला है, ईपीएफओ इसकी मंजूरी के बिना ब्याज दर को क्रेडिट नहीं कर सकता है। दूसरे अधिकारी ने कहा, पिछले डेढ़ साल वेतनभोगी वर्ग सहित मजदूर वर्ग के लिए कठिन रहे। अब दिवाली तक अपेक्षित भुगतान से उनका मूड खुश हो जाएगा। बोर्ड ने वित्त वर्ष 2021 के लिए 8.5त्न भुगतान की सिफारिश की थी। जब ब्याज के बारे में निर्णय किए गए, तो सभी कारकों को ध्यान में रखा गया। ईपीएफओ ने पिछले वित्त वर्ष में लगभग 70,300 करोड़ रुपये की इनकम का अनुमान लगाया है, जिसमें उसके इक्विटी निवेश के एक हिस्से को बेचने से लगभग 4,000 करोड़ रुपए शामिल हैं। 2020 में कोविड-19 के प्रकोप के बाद ईपीएफओ ने मार्च 2020 में पीएफ ब्याज दर को घटाकर 8.5 फीसद कर दिया था, जो पिछले 7 वर्षों में यह सबसे कम है। बता दें वित्त वर्ष 2018-19 में ब्याज दर 8.65 फीसद था, हालांकि वित्त वर्ष 2017-18 में यह महज 8.55 फीसद ही था, जबकि वित्त वर्ष 2019-20 के लिए यह 8.5 फीसद है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में उछाल से मुकेश अंबानी की संपत्ति में 2 अरब डॉलर का इजाफा, अब दुनिया के 11वें नंबर के अरबपति

नई दिल्ली। मार्केट कैपिटल के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर अक्टूबर 2020 के बाद उच्चतम स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक कंपनी का शेयर दोपहर 12:21 बजे 2.00 फीसद की तेजी के साथ 2436.25 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। आज दोपहर तक के कारोबार में आरआईएल के शेयर 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर 2480 रुपये पर पहुंच गया। जुलाई के बाद से इसमें करीब 17 फीसद तेजी आ चुकी है। कंपनी के शेयरों में आई इस तेजी की वजह से RIL के मालिक मुकेश अंबानी दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में एक पायदान और ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर आ गए हैं। दोपहर तक अंबानी की संपत्ति में 2 अरब डॉलर का इजाफा हो चुका था और फोर्ब्स रियल टाइम बिलियनेयर इंडेक्स में 94.7 अरब डॉलर के साथ 11वें स्थान पर थे। कोरोना का दूसरी लहर के कारण देश के कई राज्यों ने स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लगाया था। इससे जून तिमाही में रिलांयस का रिटेल और रिफाइनरी ऑपरेशंस प्रभावित हुआ था, लेकिन अब पाबंदियों में ढील के कारण स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। बाजार के जानकारों के मुताबिक RIL के शेयरों में तेजी की वजह वे निवेशक हैं जो आने वाले दिनों में इसमें और तेजी की उम्मीद कर रहे हैं।

रिपोर्ट : आईपीओ और लाभांश पर कितना टैक्स देना होगा समझें पूरा गणित

नई दिल्ली । शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड निवेशकों ने बाजार में जारी तेजी का जमकर लाभ उठाया है। उन्होंने नए-नए आईपीओ में निवेश कर पैसे बनाएं, तो कंपनियों ने भी लाभांश के रूप में जमकर भुगतान किया। आयकर विभाग इन दोनों तरह की कमाई पर टैक्स की गणना अलग तरीके से करता है। आईपीओ और लाभांश पर कितना टैक्स देना होगा, पूरा गणित बताती प्रमोद तिवारी की रिपोर्ट- निवेश पोर्टल के सीओओ हर्ष जैन का कहना है कि आईपीओ सूचीबद्ध होने के बाद ही मुनाफे पर आयकर गणना होती है। सूचीबद्ध होने के 12 महीने के भीतर आईपीओ में आवंटित शेयरों को बेचकर मुनाफा कमाया है, तो लघु अवधि का पूंजीगत लाभ कर (एसटीसीजी टैक्स) देना होगा। यह कुल मुनाफे का 15 फीसदी होगा। इस पर 4 फ़ीसदी उपकर के रूप में टैक्स देना होगा। सूचीबद्ध होने के 12 महीने बाद आईपीओ के शेयरों को बेचकर मुनाफा कमाया है, तो लंबी अवधि का पूंजीगत लाभ कर एलटीसीजी टैक्स देना पड़ेगा। जो 10 फ़ीसदी की दर से लगेगा। एक लाख से ज्यादा का मुनाफा कमाने पर ही एलटीसीजी टैक्स देना पड़ता है। अगर आपने 1,000 रुपये के भाव से आईपीओ में 14 शेयर खरीदे और 12 महीने के भीतर इसे 1,580 प्रति इकाई के भाव पर बेच दिया। इस पर 8,120 रुपये का एसटीसीजी मिलेगा और 15 फ़ीसदी की दर से टैक्स चुकाना होगा। कुल मुनाफे पर 1,218 रुपये टैक्स बनेगा। जिस पर 4 फ़ीसदी यानी 48.72 रुपये उपकर देना होगा और कुल टैक्स देनदारी करीब 1,270 रुपये होगी। अगर 12 महीने के बाद बेचा तो मुनाफे पर सीधे 10 फ़ीसदी टैक्स लगेगा। आईपीओ का चुनाव गलत हो गया है और सूचीबद्ध होने के बाद शेयरों के भाव नीचे चले गए, तो इस घाटे को अन्य शेयरों के मुनाफे के साथ समायोजित भी किया जा सकता है। मसलन, लघु अवधि में बेचे शेयरों पर घाटा हुआ तो इसी अवधि में यह 1 साल पहले बेचे अन्य शेयरों के मुनाफे को समायोजित कर टैक्स देनदारी से बचा जा सकता है। हालांकि आयकर विभाग लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ पर इसकी भरपाई की सुविधा नहीं देता है। पिछले वित्त वर्ष से पहले एक लाभांश देने वाली कंपनियां ही इस पर टैक्स चुकाती थी। लेकिन सरकार ने इसे निवेशकों कि आय मानते हुए उनके स्लैब के हिसाब से टैक्स गणना शुरू कर दी है। वित्त वर्ष 2020-21 का रिटर्न दाखिल करते समय लाभांश के रूप में हुई कमाई को भी ध्यान में रखना होगा और सालाना 5,000 रुपये से ज्यादा लाभांश मिलता है, तो इस पर 7.5 फीसदी दर से टीडीएस काटा जाएगा। शेष बची राशि ही निवेशकों के खाते में जाएगी, जिसे उसकी आय माना जाएगा। आयकर विभाग दोबारा इस राशि पर करदाता के स्लैब के हिसाब से टैक्स वसूलेगा। वित्त वर्ष में लाभांश की रकम 5,000 से कम है तो उस पर टीडीएस नहीं कटता है। टीडीएस नहीं कटता है तो भी लाभांश के रूप में मिली रकम आपकी आय में जुड़ती है और स्लैब के हिसाब से टैक्स लगता है। 10 फीसदी स्लैब वाले करदाताओं को 4,500 रुपये लाभांश मिला, तो टीडीएस नहीं कटेगा। स्लैब के हिसाब से 450 रुपये टैक्स बनेगा। लाभांश 6,000 रुपये है तो 7.5 फीसदी टीडीएस कटकर 5,550 रुपये मिलेंगे। जो आय में जुड़ेंगे और 10 फ़ीसदी के हिसाब से 555 रुपये टैक्स देना पड़ेगा। आयकर रिटर्न भरते समय करदाताओं को इस बार काफी सावधानी बरतनी पड़ेगी। लाभांश की रकम 2020-21 से पहली बार करदाताओं की आय में जुड़ी है। लिहाजा कर छूट का दावा करते समय अपनी सभी तरह की आय का खुलासा करना बेहद जरूरी होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भारती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार भारती, मो0 : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/08863)

फाउंटेन

जहां होती है पैसों की बारिश

ट्रैवलिंग: दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जहां लोग अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे है, जहां लोग अपनी इच्छा पूरी करने के लिए सिक्के डालते हैं। हम बात कर रहे है रोम(इटली) के ट्रेवी फांउटेन(Trevi Fountain) की। ट्रेवी फाउंटेन रोम के ट्रेवी शहर में है। यह फाउंटने 85फीट ऊंचा और 161 फीट चौड़ा है। यह दुनिया के सबसे खूबसूरत फाउंटेन में से है। इस खूबसूरत फाउंटेन को इटेलियन आर्किटेक्ट निकोला साल्वी (Nikola Salvi) ने डिजाइन किया था।

इस फांउटेन में एक दिन में करीब 3000 यूरो के सिक्के डाले जाते हैं मतलब कि 2,50,000 रुपए। दिन में एक बार इस फांउटेन को बंद कर दिया जाता है और सारे सिक्के निकाले जाते हैं। इन सिक्कों को निकालकर स्थानीय गरीबों और बेघर लोगों की भोजन योजना में लगाया जाता है। कई लोग रोम घूमने आते हैं और इस फाउंटेन में सिक्का डालते हैं। लोगों का मानना है कि इस फाउंटेन में सिक्का डालने से उन्हें दोबारा रोम घूमने का मौका मिलता है।

इस फाउंटेन में सिक्का डालने का भी एक तरीका है। सिक्का डालने के लिए फाउंटेन की तरफ पीठ करके खड़ा होना पड़ता है फिर सीधे हाथ में सिक्का लेकर उसे उलटे कंधे के ऊपर ले जाकर फैंकना पड़ता है। यहां सिक्का डालना भी किसी कला से कम नहीं है। यह फाउंटेन टूरिस्ट का मनपसंद जगह है। लोग दूर-दूर से इसे देखने के लिए आते हैं।

इस वजह से हैं ये दुनिया के सबसे खूबसूरत शहर

ट्रैवलिंगः सदियों से इंसान खूबसूरती का कायल है। दुनिया में खूबसूरती की कोई कमी नहीं, फिर चाहे यह खूबसूरती शहरों में हो या इंसानों में। घूमने-फिरने से हम लोग काम करने के लिए दोबारा फ्रैश हो जाते हैं। कुछ लोग विदेशों में घूमने के बहुत शौकीन होते हैं। जो लोग दूसरे देशों में ट्रैवल करना पसंद करते हैं और हर बार कुछ अलग देखना पसंद करते हैं। उन्हें आज हम दुनिया के कुछ ऐसे ही खूबसूरत और हरियाली लिए हुए शहरों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर दुनिया भर से टूरिस्ट घूमने के लिए आते हैं क्योंकि यहां पर हरियाली की वजह से हवा बिल्कुल साफ है और कुदरत अपने रंग बिखेर रही हैं।इसीलिए अब इन्हें ग्रीन सिटीज भी कहा जाने लगा है।

कोपेनहेगन, डेनमार्क

डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन दुनिया के 5 सबसे हरे-भरे शहरों में से एक बहुत ही खूबसूरत शहर है। इस शहर में लगभग 20 लाख लोग रहते हैं और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में भी सहयोग करते हैं। यहां रहने वाले लोगों का लक्ष्य साल 2025 तक शहर को कार्बन न्यूट्रल बनाना है।

एम्सटर्डम, नीदरलैंड

एम्सटर्डम में चारों ओर हरियाली है, जिसकी वजह यहां के लोग हैं। यहां की हवा प्रदूषित न हो, इसके लिए यहां के लोग साइकिल चलाते हैं। यहां की सड़कें और गलियां भी साइकिल चलाने के हिसाब से बनाई गई हैं। यहां पर जितने लोग रहते हैं, उनसे ज्यादा साइकिलों की संख्या है।

स्टॉकहोल्म, स्वीडन

स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोल्म को ग्रीन सिटी के रुप में इस्टैब्लिश करने की योजना सन् 1970 में ही शुरू हो गई थी। अब इसे 2050 तक फॉसिल फ्यूल से मुक्त करने की योजना है। इस शहर ने हरियाली की वजह से यूरोप ग्रीन कैपिटल पुरस्कार भी जीता है।

वैंकुवर, कनाडा

कनाडा में वैंकुवर को ग्रीन सिटी माना जाता है। यहां का मौसम बेहद ही खूबसूरत है, जिसकी वजह से लोग यहां पर रहना चाहते हैं। हालांकि, ये शहर कनाडा में सबसे ज्यादा आबादी वाला है।

लंदन, इंग्लैंड

दुनिया की 5वीं सबसे ग्रीन सिटी इंग्लैंड की राजधानी लंदन है। आपको जानकर भले ही हैरानी हो, लेकिन ये सच है। हालांकि, इस शहर को और हरा-भरा बनाने के लिए काम शुरू कर दिया गया है।

ईंटों से नहीं, रेशम के धागों से बना यह घर!

ट्रैवलिंग : आपने अपनी लाइफ में कई आलिशान महल और विला देखें होंगे लेकिन दुनिया में ऐसे भी घर है, जिनको अजीब स्टाइल से बनाया होता है। इसी अनोखी बनावट के कारण वह घर दुनियाभर में मशहूर हो जाते है लेकिन आज हम जिस घर की बात करने जा रहे वो पिंक हाऊस है। यह घर बेहतरीन आर्ट के लिए काफी फेमेस है। साथ ही आम दिखने वाले घरों से बिल्कुल हटके है। इस घर को ईंट-पत्थरों से नहीं बल्कि रेशम और धागों से बनाया गया है। इसको बनाने वाले न्यू यॉर्क के कलाकार ओलेक है। यह आर्टिस्ट अगाटा ओलेक क्रोशेड ओलेक के नाम से भी मशहूर है। ओलेक ने इस घर को महिलाओं की मदद से गुलाबी क्रोशिया से ढ़का है, जो हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है।

ओलेक ने इस प्रॉजेक्ट के लिए सीरिया और यूक्रेन की महिलाओं को एकजुट किया और करीब डेढ़ लाख मीटर धागे की मदद से स्वीडन और फिनलैंड के 2 घरों की रंगत बिल्कुल बदल दी है। यह घर तकरीबन 100 साल पुराने है।

इन घरों के ऊपर रेशम और धागे से बुना हुआ एक एक शॉल चढ़ाया हुआ है। इस घर को देखने के लिए लोग काफी दूर-दूर से आ रहे हैं। आज यह टूरिस्टों की पहली पसंद बना हुआ है।

अजीब जगहें, मगर यहां रहने का मजा है कुछ अलग!

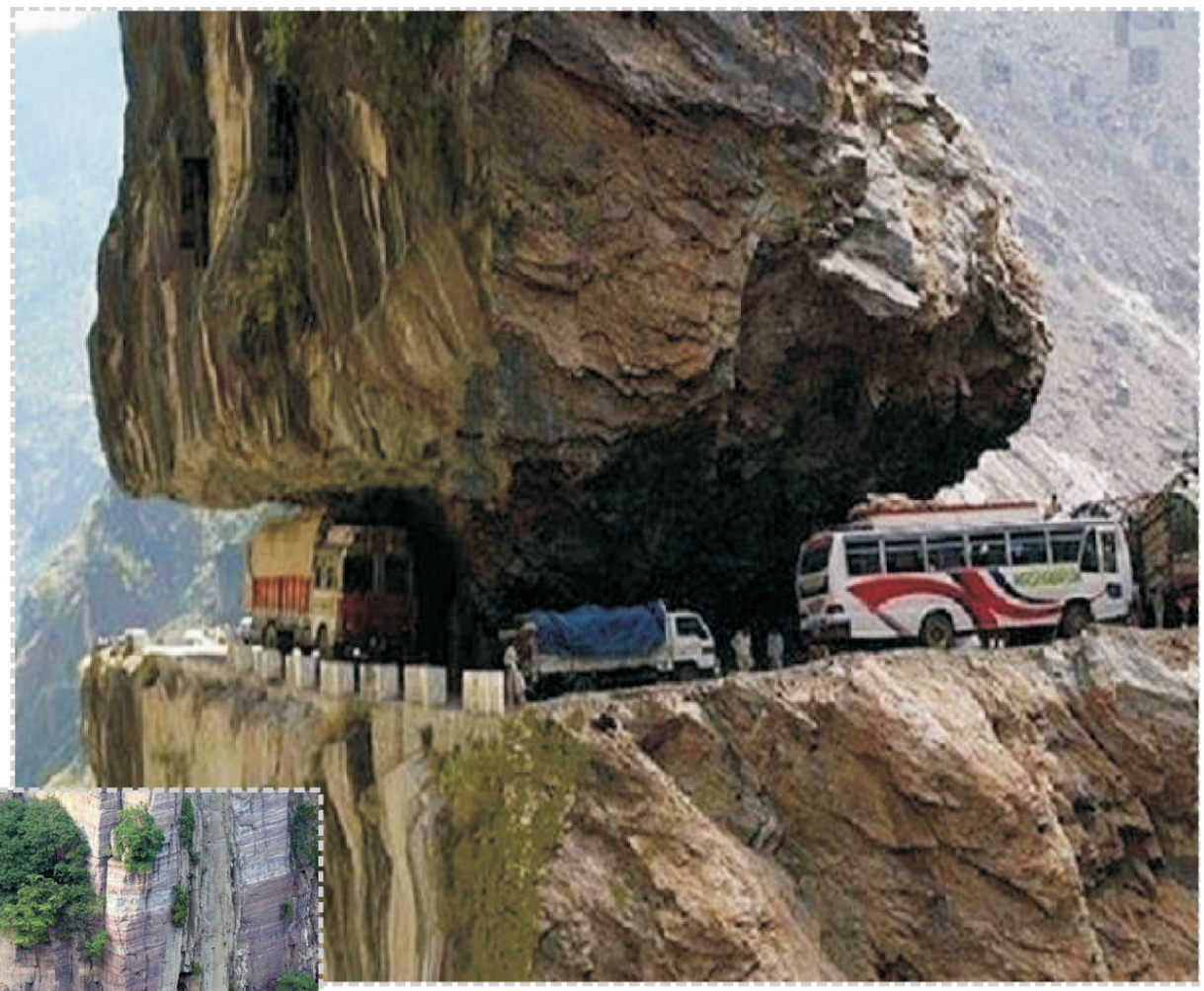

ट्रैवलिंगः कई लोगों को ड्राइविंग करना बहुत पसंद होता हैं लेकिन कई बार रास्ते इतने खतरनाक होते हैं कि ड्राइव करते समय जान जाने का डर लगा रहता है। दुनियाभर में ऐसी कई खतरनाक सड़कें हैं जहां पर गाड़ी चलाने का मतलब मौत के मुंह में जाने के बराबर है। खतरनाक सड़कें होते हुए भी यहां गाड़ियों का आना जाना लगा रहता है। आज हम आपको दुनिया की सबसे खतरनाक सड़कों के बारे में बताने जा रहे है जहां छोटी सी गलती से जान जा सकती है।

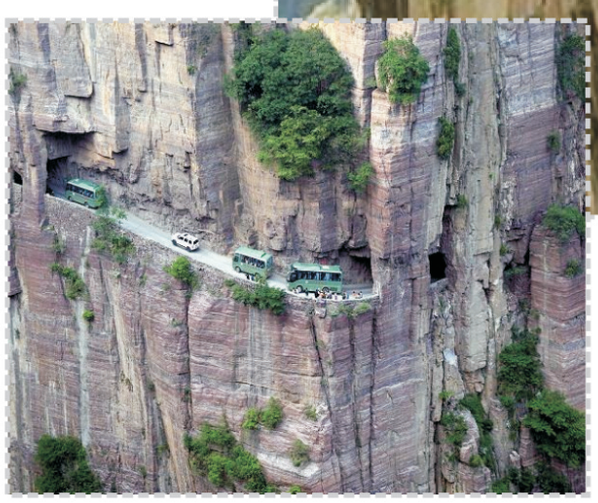

1. जोजीला, भारत

यह सड़क काफी जोखिम भरी है। लद्दाख और कश्मीर इस 9 किलोमीटर लंबी सड़क मार्ग से जुड़ें है। इस सड़क पर काफी सावधानी से गाड़ी चलानी पड़ती हैं।

2. डेल्टर्न हाईवे, अलास्का दुनिया का सबसे बर्फीला राजमार्ग 666 किलोमीटर लंबा है। यह राजमार्ग 3 छोटे गांवों को मिलाता है। बर्फबारी के दिनों में यह पूरी तरह बर्फ से ढक जाता है।

3. गुओलियांग टनल, चीन

यह सुंरग पहाड़ों को काटकर बनाई गई है। यहां की सरकार ने इस 1200 मीटर सुरंग को परिवहन की सुविधा के लिए स्थानीय लोगों की मदद करने के लिए बनाया है।

4. केलॉन्ग-किश्तवार

केलॉन्ग-किश्तवार देखने में बहुत ही सुंदर है लेकिन यहां ड्राइव करना खतरे से खाली नहीं। यह खतरनाक सड़कों में से एक है।

5. काराकोरम हाईवे चीन-पाकिस्तान

यह हाइवे चीन और पाकिस्तान को आपस में जोड़ता है। पहाड़ों पर बना यह रास्ता बेहद खतरनाक है। यहां कई बार बाढ़ आने जैसे हालात भी हो जाते हैं।

6. हालसेमा हाइवे, फिलीपींस

इस सड़क पर सफर करना बेहद ही खतरनाक है। गर्मी के मौसम में ही यह सड़क सुरक्षित होती है। यहां कई दुर्घटनाएं होती रहती हैं।